राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 12 अकं :265 रांची (झारखंड) सोमवार , 07 जुलाई 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

डॉ. मुखर्जी के वैचरिक संघर्ष ने भारत की एकता, अखंडता, संस्कृति और राजनीति में परिवर्तन लाने का काम किया:वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के मौके पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि उनके विचारों और संघर्षों ने भारत की एकता, अखंडता, संस्कृति और राजनीति में परिवर्तन लाने का काम किया है। डॉ. मुखर्जी की जयंती के मौके प आज यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई की ओर से पुष्पांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्री वैष्णव के अलावा दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा शामिल हुए। श्री वैष्णव ने कहा कि मौजूदा समय के भारत के निर्माण में डॉ.मुखर्जी का बहुत बड़ा योगदान है। उनके विचारों से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के कार्य में लगे। उनके विचारों से भारत सरकार की नीतियों में एक ऐसा परिवर्तन आया जो जन जन के विकास के लिए माध्यम बन रहा है। उन्होंने कहा कि उनके विचारों और संघर्षों ने भारतीय एकता, अखंडता, संस्कृति और राजनीति में परिवर्तन लाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने जिस भावना के साथ अपने विचार व्यक्त किए थे, उसी भावना को नीति में परिवर्तित करने का काम नरेन्द्र मोदी सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवार्तन किया। उन्होंने भारतीय भाषाओं को सम्मान देने की वकालत की और उसे प्राथमिकता देने के लिए उन्होंने एक मुहिम चलायी क्योंकि उस वक्त अंग्रेजी

भाषा ही बड़ी मानी जाती थी। डॉ. मुखर्जी ने कहा था कि अगर भारतीय भाषा में युवा शिक्षा ग्रहण करेंगे तो उनकी समझने की स्थिति बेहतर होगी और आज उसी हिंदी भाषा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शामिल किया गया है। रेल मंत्री ने कहा कि अनुच्छे 370 को लेकर डॉ मुखर्जी के संघर्ष के कारण ही 2019 में इसे हटाया गया। श्री सचदेवा ने कहा, हमने पहले भी कहा था कि आपको राष्ट्रवाद और राष्ट्रीयता को समझना है और अगर आपको हिंदुस्तान और उसकी संस्कृति को समझना है तो आपको डॉ. मुखर्जी को पढ़ना चाहिए। उनकी यात्रा एक राष्ट्रवादी यात्रा है। कैसे उन्होंने बाल्यकाल से लेकर सबसे युवा कुलपति बनने का सफर तय किया। जब बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा था तो उस वक्त हिंदुओं को बचाने के लिए और मुस्लिम तुष्टिकरण के खिलाफ आवाज उठाने का काम डॉ श्यामा ने किया था।उन्होंने कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और इस बात को उन्होंने संसद में हमेशा उठाया। कश्मीर को लेकर उनकी स्पष्ट नीति थी । उन्होंने कहा, ÷ मुझे खुशी इस बात की है कि मैं उस पार्टी का कार्यकर्ता हूं जिसने डॉ मुखर्जी के विचारों को आगे बढ़ाया और आज श्री मोदी उसे पोषित कर रहे हैं। श्रीमती गुप्ता ने कहा कि देश को आजाद कराने में लाखों स्वतंत्रता सेनानी शहीद हुए लेकिन उसके बाद अगर देश को सही ढ़ंग से चलाने के लिए जिसने बलिदान दिया तो वह डॉ. मुखर्जी थे। उन्होंने केंद्र में मंत्री पद को छोड़ दिया और जब कश्मीर की बात आयी तो एक देश में दो विधान दो संविधान नहीं चलेगा जैसी बातें कहकर एक मुहिम की शुरुआत की। उन्होंने कहा, आज कश्मीर में देश की सबसे उँची चोटी और चिनाब नदी पर जब वंदे भारत ट्रेन चलती है तो हम भारत दर्शन करते है। जो कश्मीर है वह हमारा है और जो हमारा है वह सारा का सारा है। एक संविधान पूरे देश में लागू है और एक तिरंगा पूरे देश में फहराने से रोकने वाला कोई नहीं है। आज उनके बताए रास्ते पर अनुसरण करते हुए उनके विचारों को आगे बढ़ाने का एक राजनीतिक पार्टी के रूप में हमारा यही कर्तव्य है।

सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करता है हजरत इमाम हुसैन का बलिदान : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन द्वारा दिया गया बलिदान धर्म के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वह लोगों को विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में कहा, हजरत इमाम हुसैन (ए.एस.) का बलिदान धर्म के प्रति

उनकी प्रतिबद्धता की याद दिलाता है। वह लोगों को विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। उल्लेखनीय है कि आज इस्लाम में आशूरा का दिन है, जो मुहर्रम माह की 10वीं तिथि को आता है। इस दिन को हज़रत इमाम हुसैन की करबला में दी गई शहादत के लिए याद किया जाता है। हजरत इमाम हुसैन इस्लाम के पैगंबर हज़रत मोहम्मद साहब के नवासे और हज़रत अली तथा बीबी फातिमा के पुत्र थे। वे सत्य, न्याय और धर्म के प्रतीक माने जाते हैं। 680 ईस्वी में करबला की लड़ाई में उन्होंने यज़ीद की अधीनता स्वीकार नहीं की और अपने परिवार सहित बलिदान दिया। उनका यह बलिदान इस्लामी इतिहास की सबसे मार्मिक घटनाओं में से एक है।

राजस्थान में टेंडर के बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए वित्त विभाग को दोबारा प्रस्ताव भेजने की व्यवस्था समाप्त

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी सुशासन देने के लिए कृत संकल्पित है। विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक त्वरित रूप से पहुंचे, इसके लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं। इसी नीति के तहत मुख्यमंत्री के निर्देश पर विकास कार्यों में तेजी लाने तथा प्रक्रिया में लगने वाले समय को न्यूनतम करने के लिए राज्य में अब नई व्यवस्था लागू की गई है। टेंडर के बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए कार्यकारी विभाग द्वारा वित्त विभाग को फाइल भेजने की व्यवस्था अब समाप्त कर दी गई है। गत सरकार के समय शुरू हुई इस प्रक्रिया के कारण विकास कार्यों के शुरू होने में अनावश्यक विलंब हो रहा था। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य में यह नई व्यवस्था लागू की गई है।विकास कार्यों की घोषणा कर धरातल पर निर्माण कार्य शुरू करने में जानबूझ कर देरी करने की नीयत से गत सरकार के समय व्यवस्था की गई कि कार्यकारी विभाग जब कार्य की

स्वीकृति के प्रस्ताव के साथ वित्त विभाग को भिजवाता था, तब वित्त विभाग इस स्वीकृति के बजाय कार्य की केवल सैद्धांतिक स्वीकृति देता था। इसके बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए संबंधित कार्यकारी विभाग को प्रस्ताव पुनः वित्त विभाग को भेजना पड़ता था। इस दोहरी प्रक्रिया में 15 से 30 दिन का अतिरिक्त समय लग रहा था। इससे एक ओर विकास कार्य की लागत बढ़ रही थी, वहीं दूसरी ओर आमजन को इनका समय पर लाभ नहीं मिल पा रहा था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा इस व्यवस्था में सुधार के निर्देशानुसार प्रक्रिया में संशोधन कर इसे प्रभावी बना दिया गया है। अब कार्यकारी विभाग से प्राप्त प्रस्ताव वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत होते ही निविदा उपरान्त कार्यादेश जारी करने के लिए कार्यकारी विभाग को ही सक्षम बना दिया गया है। कार्यकारी विभाग निविदा के उपरांत कार्यादेश राशि के आधार पर प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृत राशि को स्वयं ही पोर्टल पर अपलोड कर सकेंगे। अतः प्रक्रिया के दूसरे चरण में पत्रावली वित्त विभाग को प्रेषित करने की आवश्यकता नही रहेगी। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से विकास कार्यों में तेजी आएगी और निर्धारित समय सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ विकास कार्य करवाने का राज्य सरकार का संकल्प धरातल पर साकार हो सकेगा।

मोदी और नड्डा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जन्म-जयंती पर नमन किया है और भारत के निर्माण में उनके आदर्श और सिद्धांत को बहुमूल्य बताया है। श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, राष्ट्र के अमर सपूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जन्म-जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि। देश की आन-बान और शान की रक्षा के लिए उन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनके आदर्श और सिद्धांत विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में बहुमूल्य हैं। वहीं, श्री नड्डा ने लिखा, अपने प्रखर राष्ट्रवादी विचारों और कार्यों से माँ भारती को गौरवान्वित करने वाले महान विचारक, करोड़ो कार्यकर्ताओं के प्रेरणापुंज, विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी के आधार स्तम्भ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जन्म-जयंती पर उन्हें भावपूर्ण नमन करता हूँ। जम्मू-कश्मीर से दो विधान, दो निशान और दो प्रधान समाप्त करने के लिए श्रद्धेय डॉ. मुखर्जी जी अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक संघर्षरत रहे। कश्मीर से धारा-370 हटाकर उनके स्वप्न को प्रधानमंत्री नरेंद्र के नेतृत्व में हमारी सरकार ने साकार किया है। उन्होंने लिखा, माँ भारती की एकता, अखंडता और सम्मान के लिए दिया गया आपका अमर बलिदान अनंतकाल तक देशवासियों को राष्ट्रसेवा और समर्पण की प्रेरणा देता रहेगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र में पूर्ववर्ती सरकारों की उपेक्षा का खामियाजा दिल्लीवालों को भुगतना पड़ा : नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने आरोप लगाया है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में पूर्ववर्ती सरकारों की उपेक्षा का खामियाजा दिल्लीवालों को भुगतना पड़ा है।श्री नड्डा ने आज मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ यहां विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए और आयुष्मान भारत पंजीकरण वैन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पूववर्ती सरकारों ने सभी क्षेत्रों में उदासीनता दिखाई और स्वास्थ्य क्षेत्र तो पूरी तरह उपेक्षित रहा। इसी कारण दिल्ली के लोगों को भारी तकलीफों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत हमने 2021 से फरवरी 2025 के बीच दिल्ली को 1700 करोड़ रुपये दिए

थे, लेकिन एक पैसा भी खर्च नहीं हुआ और अब जन कल्याण के लिए इस निधि के खर्च की जिम्मेदारी श्रीमती रेखा के कंधों पर आ गयी है।उन्होंने परोक्ष रूप से आम आदमी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि राजनीति में फैसले अपने-पराये के आधार पर नहीं होते, बल्कि इस आधार पर होते हैं कि कौन आपके हितों की रक्षा कर सकता है। सितंबर 2017 से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 40 लाख गरीब दिल्लीवासियों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज देने को तैयार थे, लेकिन आपने लोटा ही उल्टा किया हुआ था। उन्होंने कहा, 20 फरवरी को आपने लोटा सीधा किया, और आज आपको आयुष्मान भारत मिल गया। 1997 में एक स्वास्थ्य नीति लाई गयी, जो कहती थी, पहले तुम बीमार बनो, फिर मैं तुम्हारा इलाज करुंगी। लेकिन 2014 में जब श्री मोदी प्रधानमंत्री बने, तो उनके नेतृत्व में पूरे देश में परामर्श किया गया और 2017 में हम एक नयी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति लेकर आए। उन्होंने कहा, इसके अंतर्गत हम सुनिश्चित करेंगे कि बीमारी ही न हो, फिर अच्छे स्वास्थ्य को हम बढ़ायेंगे ताकि लोग स्वस्थ रहे ,फिर जरूरत होगी तो इलाज करेंगे और बाद में ठीक भी करेंगे। हमने स्वास्थ्य को अब समावेशी और व्यापक बना दिया है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में टीबी के मामलों में करीब 17.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह गिरावट मात्र आठ प्रतिशत रही है।

चुनाव आयोग के एसआईआर नीति को महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने इसे असंवैधानिक करार देते हुए न केवल इस आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की मांग की, बल्कि यह भी आग्रह किया कि बंगाल समेत देश के अन्य किसी राज्य में इस तरह की नीति लागू न की जाए। टीएमसी सांसद का तर्क है कि जो नागरिक पहले से मतदाता सूची में पंजीकृत हैं और वर्षों से मतदान करते आ रहे हैं, उनसे एक बार फिर नागरिकता साबित करने के लिए दस्तावेज मांगना सरासर गलत है। यह न केवल उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि संविधान की मूल भावना के भी खिलाफ है। याचिका में महुआ ने चुनाव आयोग के आदेश को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1), 21, 325 और 326, साथ ही जन प्रतिनिधित्व अधिनियम और मतदाता पंजीकरण नियमों के विरुद्ध बताया है। उनका कहना है कि अगर यह

निर्देश लागू रहा, तो लाखों लोग विशेषकर गरीब, वंचित और हाशिये पर बसे समुदायों से आने वाले नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। चुनाव आयोग द्वारा 24 जून, 2025 को जारी निर्देश के अनुसार, बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया की जाएगी।

नेमप्लेट विवाद - बाबा रामदेव बोले सबके पूर्वज हिंदू, नाम छिपाना अनुचित

एजेंसी

हरिद्वार। कांवड़ यात्रा से पहले 'नेमप्लेट विवाद' पर योग गुरु बाबा रामदेव ने बड़ा बयान दिया है। बाबा रामदेव ने कहा है कि सभी मुसलमानों के पूर्वज हिंदू ही हैं, इसलिए नाम छिपाने में कुछ नहीं रखा है। बाबा रामदेव ने शिवभक्तों से भी खास अपील की है। बाबा रामदेव ने रविवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, 'जैसे रामदेव को हिंदू होने पर गर्व है, वैसे ही मुस्लिम समुदाय के लोगों को अपने मुस्लिम होने पर गर्व होना चाहिए। सभी मुसलमानों के पूर्वज हिंदू ही हैं। इसलिए नाम छिपाने में कुछ नहीं रखा है। नाम बताना चाहिए, अगर किसी की मर्जी होगी तो वो खाना खाने आएगा, इसलिए नाम छिपाना न मजहब की दृष्टि से उचित है, न धार्मिक स्थिति और न व्यवहारिक दृष्टि से उचित है।' उन्होंने कहा कि सबको अपने-अपने मातृवंश और मजहब पर गौरव होना चाहिए। मुस्लिम भाइयों को किसी तरह से भी अपना मजहब नहीं छिपाना चाहिए। योग गुरु रामदेव बाबा ने कांवड़ यात्रियों से भी अपील की है। उन्होंने कहा, 'कांवड़ लेकर चलने वाले लोग

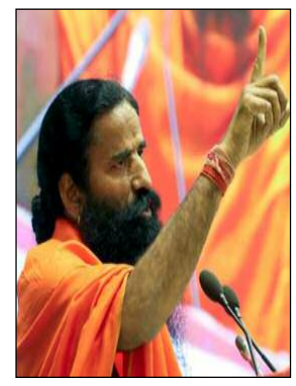

भगवान शिव के सच्चे भक्त हैं। भगवान शिव पवित्रता के प्रतीक हैं और सनातन धर्म के सबसे बड़े देवताओं में से एक 'आदि योगी' हैं। इसलिए शिव भक्तों को संयम और धैर्य का परिचय देना चाहिए। अगर किसी को बीड़ी-सिगरेट, शराब पीने या भांग जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करने की लत है तो उन्हें इस बार कांवड़ लेकर चलते समय भगवान भोलेनाथ को अपनी सारी बुराइयां अर्पित करनी चाहिए। उन्हें व्यसन मुक्त जीवन जीने का संकल्प लेना चाहिए।'

'भाषा विवाद' पर योग गुरु ने कहा, 'भाषा और अलग-अलग जाति के आधार पर हम हिंदू लड़ते हैं तो उससे हिंदू एकता, राष्ट्रीय एकता और अखंडता पर आंच आती है। इसलिए हम सबको भारतवासी होकर एकजुट रहना चाहिए। हमारी एकता में ही राष्ट्रीय एकता और अखंडता अक्षुण्य रहेगी।' उन्होंने आगे कहा, 'हिंदुत्व का जो मूल दर्शन है, हमें उसे ही समझना है। हम सब एक ही ईश्वर की संतान हैं। भाषाएं अलग हो सकती हैं, रीति-रिवाज भिन्न हो सकते हैं और जाति-वर्ग अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन अभेद दृष्टि को ही हमने जीया है और यही हिंदुत्व है। वेद भी यही कहते हैं।

पंजाब के पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया को 14 दिन की न्यायिक हिरासत, नाभा जेल भेजा गया

एजेंसी

मोहाली। पंजाब के पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया को कड़ी सुरक्षा के बीच नाभा जेल ले जाया गया है। रविवार को मजीठिया की रिमांड खत्म हुई, जिसके बाद कोर्ट में पेशी हुई। मोहाली कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है।

शिरोमणि अकाली दल के नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया की ड्रग मनी लॉन्ड्रिंग केस में 25 जून को गिरफ्तारी हुई थी। पंजाब की विजिलेंस ब्यूरो ने मजीठिया को उनके अमृतसर स्थित घर से गिरफ्तार किया था। अगले दिन कोर्ट ने 7 दिन की रिमांड पर भेजा था, जिसे बाद में 4 दिन के लिए बढ़ाया गया। फिलहाल रिमांड खत्म होने के बाद रविवार को ही छुट्टी के दिन मोहाली कोर्ट में मजीठिया की पेशी हुई। सरकारी वकील फेरी सोफत ने न्यूज एजेंसी को बताया, कुल 15 दिन की रिमांड थी। 12 दिन हो चुके हैं, लेकिन विजिलेंस विभाग ने 3 दिन रिजर्व रखे हैं ताकि जरूरत पड़ने पर बाद में पूछताछ की जा सके। वकील ने कहा कि विजिलेंस टीमें कई अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर रही हैं। बरामद दस्तावेजों के बाद मजीठिया को फिर से रिमांड पर लिया जा सकता है। बिक्रम सिंह मजीठिया को कड़ी

सुरक्षा के बीच मोहाली कोर्ट लाया गया। गाड़ियों के काफिले के अलावा सड़क पर जगह-जगह पुलिस की तैनाती रही। इस दौरान मजीठिया समर्थक और अकाली दल के कार्यकर्ताओं ने कोर्ट तक पहुंचने की कोशिश की, जिन्हें रास्ते में ही रोक लिया गया। मजीठिया को 19 जुलाई तक नाभा जेल भेजा गया है। इधर, शिरोमणि अकाली दल ने पंजाब पुलिस पर पार्टी नेताओं को घर में नजरबंद रखने के आरोप लगाए हैं। अकाली दल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, बिक्रम सिंह मजीठिया की अदालत में पेशी से पहले भगवंत मान सरकार फिर घबरा गई। सुबह-सुबह पुलिस भेजकर अकाली नेताओं को नजरबंद कर दिया, कोर कमेटी के सदस्य जत्थेदार तीरथ सिंह महला को नजरबंद कर दिया। इसी तरह अकाली दल ने आरोप लगाए कि पूर्व मंत्री एवं कोर कमेटी सदस्य सिकंदर सिंह मलूका को मजीठिया की कोर्ट में होने वाली सुनवाई में जाने से रोकने के लिए पुलिस ने गांव मलूका में उनके घर पर ही नजरबंद कर दिया। उनके घर के अंदर और बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

हिमाचल में रेड अलर्ट के बीच मंडी में फिर फटा बादल, 9 जिलों में फ्लैश फ्लड की चेतावनी

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून का कोहराम जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा रविवार को जारी रेड अलर्ट के बीच आज सुबह से राज्य के अधिकांश हिस्सों में मूसलाधार वर्षा हो रही है। मंडी, कांगड़ा और सिरमौर जिलों में बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि शिमला, सोलन और हमीरपुर सहित 9 जिलों में अगले 24 घंटे के लिए फ्लैश फ्लड की चेतावनी दी गई हैइन 9 जिलों चम्बा, कुल्लू, कांगड़ा, बिलासपुर, हमीरपुर, सोलन, शिमला, सिरमौर और मंडी के लोगों को प्रशासन ने अत्यधिक सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की हिदायत दी है। इस बीच मंडी जिला में एक बार फिर बादल फटने की

घटना ने दहशत फैला दी। पधर उपमंडल की टिक्कन पंचायत के सिलबधानी गांव में बीती देर रात बादल फटा, जिससे स्थानीय नाले में बाढ़ आ गई और दो पुलिया बह गईं। गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। डीएसपी पधर देवराज ने इसकी पुष्टि करते हुए आज सुबह बताया कि मौके पर प्रशासन की टीम क्षति का आकलन कर रही है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक वर्षा कांगड़ा जिला के नगरोटा सुरियाँ में 102 मिमी दर्ज की गई। इसके अलावा ऊना में 62 मिमी, धर्मशाला में 61 मिमी, कटुआला और घमरूर में 40-40 मिमी, बरठीं में 38, सुजानपुर टीहरा में 36, भराड़ी में 35, नादौन में 30 और मंडी में 21 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

मौसम विभाग ने आज के लिए कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा का रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि 7 जुलाई को बहुत भारी वर्षा का ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 8 से 10 जुलाई तक येलो अलर्ट और 11 व 12 जुलाई को सामान्य बारिश की संभावना जताई है।

अमरनाथ यात्रा: 7,200 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू से रवाना

एजेंसी

जम्मू। लगातार बारिश के बीच, 7,200 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था रविवार को तड़के दक्षिण कश्मीर हिमालय में अमरनाथ मंदिर के लिए यहां आधार शिविर से रवाना हुआ। 3 जुलाई को शुरू हुई 38 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा ने रविवार को 50,000 का आंकड़ा पार

कर लिया अधिकारियों ने बताया कि 1,587 महिलाओं और 30 बच्चों सहित 7,208 तीर्थयात्रियों का पांचवां जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह 3:35 बजे से 4:15 बजे के बीच भगवती नगर आधार शिविर से दो अलग-अलग काफिलों में रवाना हुआ। 2 जुलाई के बाद से यह तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा जत्था था, जब उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यहां से यात्रा को हरी झंडी दिखाई थी। इसके साथ ही कुल 31,736 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि 147 वाहनों में 3,199 तीर्थयात्रियों को लेकर पहला काफिला गंदरबल जिले में छेटे लेकिन 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग के लिए रवाना हुआ, जिसके बाद 160 वाहनों में 4,009 तीर्थयात्रियों का दूसरा काफिला अनंतनाग जिले में 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग से यात्रा पर निकला।

कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर भड़के तेजस्वी यादव, पूछा- 'जंगलराज' की बात करने वाले आज कहां हैं?

एजेंसी

पटना। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने रविवार को कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को जमकर कोसा। उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा कि जंगलराज की बात करने वाले आज कहां हैं? उन्होंने मीडिया के बारे में भी कहा कि अगर यह घटना हमारी सरकार में होती तो मीडिया हमारी खाल नोंच लेता। पटना में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या को लेकर कहा, ÷दुख होता है। इनके परिजनों का दुख हम लोगों से देखा नहीं जा रहा है। यह बहुत ज्यादा हो गया है। जंगलराज की बात करने वाले आज कहां हैं? क्या सुनवाई हो रही है, क्या कार्रवाई हो रही है, क्या एक्शन लिया गया है? उन्होंने आगे कहा कि हम इसलिए हमेशा बुलेटिन जारी करते हैं कि बिहार में ऐसा कोई दिन नहीं है जब गोलियां नहीं चलती हैं। विरोधी दल के नेता के यहां गोलियां चलती हैं। मुख्यमंत्री आवास के बाहर गोलियां चलती हैं। इनके मंत्री के घर के बाहर गोलियां चलती हैं। विश्वेश्वरैया भवन के सामने सड़क पर अपराधी एडीजी के सामने गोली मारते हुए निकल जाता है। आज तक कोई अपराधी नहीं पकड़ा गया। मेरे घर के बाहर चार गोलियां चलीं, क्या हुआ, क्या एक्शन लिया गया, किस पर जिम्मेदारियां तय की गईं बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि आप समझ सकते हैं कि बिहार की स्थिति भयावह है। अपराधियों में डर और भय खत्म हो गया है। आपको इंतजार करना है कि कब आपको आकर कोई ठोक कर चला जाए। तेजस्वी ने आगे कहा, छह साल पहले इनके बेटे की हत्या हुई थी, हत्यारा नहीं पकड़ा गया। सीसीटीवी हर जगह रोड पर लगा है। इनके परिवार के लोग कहते हैं कि पुलिस को आने में दो घंटे लगे। प्रधानमंत्री आते हैं तो जंगलराज-जंगलराज कहते हैं, अपने दोनों उप मुख्यमंत्रियों को बुलाकर पूछें, हिसाब लीजिए कि क्यों बार-बार बिहार का अपराध क्यों बढ़ रहा है। यह पहली घटना तो नहीं है। ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं। कोई ऐसा जिला नहीं है जहां गैंगरेप, हत्या, अपहरण या लूटपाट नहीं हो रहा है। ?तेजस्वी ने मीडिया पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा, माफ कीजिए, लेकिन यह भी कहना पड़ेगा कि मीडिया भी अपनी असली भूमिका नहीं निभा रही है। अगर अभी हमारी सरकार होती और ऐसी घटनाएं होती तो मीडिया ने तेजस्वी यादव की खाल नोंच ली होती। मीडिया को कम से कम सच तो छापना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल सीरीजः शासकीय स्कूलों की जमीनी हकीकत उजागर कर रहा बुंदेलखंड 24X7

झाँसी,

उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में फैले बुंदेलखंड क्षेत्र के शासकीय स्कूलों की वास्तविक स्थिति को सामने लाने के लिए क्षेत्र के नंबर वन डिजिटल न्यूज प्लेटफॉर्म 'बुंदेलखंड 24x7' ने अपनी महत्वाकांक्षी स्कूल सीरीज की शरूआत की है। इस सीरीज के तहत चैनल ने बुंदेलखंड के 14 जिलों के विभिन्न तहसीलों में स्थित शासकीय स्कूलों का गहन निरीक्षण करना शुरू कर दिया है। इस पहल के पीछे चैनल के फाउंडर डॉ. अतुल मलिकराम का दृष्टिकोण स्पष्ट है। उन्होंने कहा, बुंदेलखंड जैसे क्षेत्र में शिक्षा की स्थिति को सुधारने के लिए पहले उसकी जमीनी हकीकत को समझना जरूरी है। हमारी स्कूल सीरीज का मकसद न केवल समस्याओं को उजागर करना है, बल्कि उन मुद्दों को प्रशासन और समाज के सामने लाना है, जिन्हें हल करके हम अपने बच्चों के भविष्य को बेहतर बना सकते हैं। इस सीरीज के तहत 'बुंदेलखंड 24x7' स्थानीय समुदायों, अभिभावकों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों से भी बातचीत कर रहा है, ताकि समस्याओं के कारणों और समाधानों को समझा जा सके।

दुर्घटना को आमंत्रित कर रही विद्युत पोल को बदलने के लिए विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारियों से जल्द ही मिलेगी छात्र क्लब ग्रुप का प्रतिनिधि मंडल

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा ने कहा रातु रोड साहू नगर,साहू गली(रामेश्वरम धाम मंदिर के पीछे) स्थित विद्युत पोल जर्जर-ावस्था मे है।पोल खूंटा जड़ से बिल्कुल ही टूट गया है।तार के जरिए खड़ा है जो दुर्घटना को आमंत्रित कर रही है।इस रोड से प्रतिदिन हजारों स्कूली बच्चे एवं मंदिर के भक्तगण आवागमन करते रहते हैं।कोई भी अनहोनी ना हो इस-ाका ख्याल रखते हुए यथाशीघ्र विद्युत पोल को बदलवाने के लिए छात्र क्लब ग्रुप का प्रतिनिधि मंडल एवं मुहल्ला वासी विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारियों से मिलेगा और नया पोल लगवाने के लिए आग्रह करेगा।

शमीम अख्तर आजाद -अध्यक्ष रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस शहीद ए कर्बला की याद में

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - कर्बला की जंग 10 अक्टूबर 680 ई (10 मोहर्रम 61 हिजरी) को हुई थी ,जिसमे हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम और उनके 72 साथियों को धोखे से शहीद कर दिया गया था। हजरत इमाम हुसैन(अ स)ने अपने नाना और वालिद के सिखाए हुए सदाचार, उच्च विचार ,अध्यात्म और अल्लाह से बेपनाह मोहब्बत में भूख, प्यास, दर्द और जालिमों के जुल्म सब पर जीत हासिल कर ली ।यजीद की लश्कर ने हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम और उनके साथियों को कर्बला के रेगिस्तान में महिलाओं और छोटे-छोटे बच्चों सहित एक तरह से कैद कर लिया था और पानी का एकमात्र स्रोत फरात नदी का पानी लेने पर रोक लगा दी थी। इमाम हुसैन की शहादत ने इस्लाम धर्म को नई ऊर्जा एवं नया जीवन प्रदान किया और सच्चाई के लिए जान निछावर कर देने की जिंदा मिसाल पेश की । कर्बला का वाकया सिर्फ जंग नहीं बल्कि सत्य , हक ,त्याग और कुबार्नी का बुलंद मिसाल भी है। झुकेगा नहीं सर किसी जालिम के सामने हिम्मत ही ऐसा दे गया सजदा हुसैन का लब्बैक या हुसैन हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम और उनके शोहदा ए कर्बला को दिल से खिराजे अकीदत पेश करता हूं।

चान्हो व मांडर में ताजिये और अलम के साथ निकला मुहर्रम का जुलूस

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - चान्हो व मांडर प्रखंड में शनिवार को मुहर्रम का जुलूस निकाला गया. ताजिये और अलम के साथ विभिन्न गांव से निकला यह जुलूस अपने निर्धारित रास्ते से चान्हो के सोनचीपी स्थित ललमटिया मेला टांड़ पहुंचा. मेला टांड़ में रुक रुक हो रही बारिश के बीच ही विभिन्न गांवो के अखाड़ेधारियों ने लाठी, भाला, तलवार व अन्य शस्त्रों के हैरतअंगेज खेल दिखाये. उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मुहर्रम अखाड़ों को मुहर्रम एक्शन कमिटी ललमटिया की ओर से पुरस्कृत किया गया. इससे पहले मुहर्रम मेला का उदघाटन खलारी डीएसपी आरएन चौधरी, रबुल अंसारी व कमिटी के सदर जुल्फान अंसारी, महासचिव सरफुल हक, महबूब अंसारी एवं सफीक आलम ने तलवार भांज कर किया. मेले में शामिल हुए अतिथियों को एक्शन कमिटी की ओर से पगड़ी पहनाकर सम्मानित भी किया गया. मौके पर मो मोजिबुल्लाह, जुल्फिकार अली, एनामुल हक, तस्लीम अंसारी, सज्जाद अंसारी, अली अंसारी, आलमगीर अंसारी, मो आरिफ, नुरमोहम्मद अंसारी सहित अन्य मौजूद थे!

श्रावणी मेला 11 जुलाई से होगा प्रारंभ, तैयारियों में अब भी दिख रही ढिलाई

दिव्य दिनकर संवाददाता
तारापुर/मुंगेर

सावन की शुरूआत 11 जुलाई से हो रही है और उसके साथ ही विधिवत श्रावणी मेला 2025 का शुभारंभ होगा। हालांकि, कांवरियों का छिटपुट आना पहले से ही शुरू हो चुका है। बावजूद इसके, सरकारी तैयारियां अब तक पूरी नहीं हो सकी हैं और अधिकांश विभाग अभी भी कार्यों को अंतिम रूप देने में लगे हैं। अनुमंडल पदाधिकारी राकेश रंजन कुमार ने कहा कि विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम और मुहर्रम त्यौहार शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर अद्यतन समीक्षा तैयारी की नहीं हो पाई है। सोमवार को संबंधित विभागीय अधिकारियों संग कांवरिया पथ के संपूर्ण तैयारी के बाबत पुनः निरीक्षण करेंगे। इतना आश्वस्त किया कि दो से तीन दिन में सभी प्रकार के कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे। पथ निर्माण विभाग बांका बिहार के संपूर्ण कांवरिया पथ में 4.5 मी. चौड़ा और 2 इंच मोटी परत उजला बालू बिछाने का कार्य करती है। संवेदक ने बताया कि मुंगेर जिला के कमराय से कुमरसार तक बालू बिछाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। पथ निर्माण मंत्री के आगमन को लेकर यह कार्य तेजी में कराया गया। लेकिन जमीनी स्तर पर बालू बिछाव का कार्य अधुरा दिख रहा है पर्यटन विभाग कांवरियों को जगह-जगह विश्राम के लिए सीमेंटेड बेंच एवं कांवर स्टैंड स्थापित किया है। रंग रोगन पहले कर दिया गया ,टूटे बेंच,स्टैंड की मर्मती अब तक नहीं हुई है, ना ही इसके आसपास की झाड़ियां को साफ किया गया है। धोबई में बनने वाला टेंट सिटी में कार्य लगा हुआ है। गोगाचक धर्मशाला में

रंगाई पुताई और सफाई का कार्य पूर्ण है । बिजली पंखा और अन्य उपकरण लगाने का कार्य चल ही रहा है । धर्मशाला के छत पर टेंट का निर्माण कराया जा रहा है। पानी की अतिरिक्त टंकी भी लगाई गई है। केयरटेकर भरत मलिक ने बताया कि धर्मशाला यात्रियों के स्वागत के लिए तैयार है। गोगाचक निवासी वार्ड पार्षद सन्नी कुशवाहा ने कहा कि बालू बिछाने का कार्य सही से नहीं हुआ है। पीएचईडी विभाग ने गत वर्ष से अच्छा कार्य किया है। वुडको के द्वारा लगाए जाने वाला हाईमास्क लाइट का सारी प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद भी स्थापित नहीं किया गया है ।अधिकारी संबंध में टाल मटोल की नीति रखे हुए। कांवरिया मार्ग में हर वर्ष मनोज स्वर्णकार बड़ी दुकान खोलते हैं। उन्होंने कहा कि हम लोग सारी व्यवस्था करते हैं । बिजली का बिल अधिक आता है और मीटर नहीं दिया जाता है। प्रशासनिक सुविधा नहीं मिलती है। पिछले वर्ष नफा नहीं के बराबर हुआ। इस वर्ष बाबा से मनाते हैं कि अच्छी रोजी-रोटी की जुगाड़ करते हैं। कांवरिया मार्ग में मैरवा के रामजी पांडे मिलते हैं उनका कहना है कि पिछले 30 वर्ष से कोरोना कल को छोड़कर वह बाबाधाम जा रहे हैं। व्यवस्था विगत वर्षों से बेहतर होते जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी व्यवस्था सावान प्रारंभ होने के काम से कम एक सप्ताह पूर्व से मिलनी चाहिए । लोग ही बता रहे हैं अभी तैयारी पूरी नहीं हुई है। आरा के मूल निवासी कोलकाता से आए शंभू नाथ दुबे 45 वर्षों से बोल बम जाते हैं । जहां बालू नहीं पड़ा है वहां थोड़ी परेशानी है ।शौचालय का उपयोग किया नहीं है ,इसलिए बता नहीं सकते। हां इतना अवश्य है की हर वर्ष सुविधा बदल रही हैं । पीरों के गोविंद राय हर

महीने एकादशी को जल लेकर बाबाधाम जाते हैं । उन्होंने कहा कि सरकार खाना पूरी करती है । कांवरिया साल के सभी दिन चलते हैं। व्यवस्था सालों भर की होनी चाहिए । जो मिट्टी सावन प्रारंभ होने के पहले बिछाई का कार्य हो रहा है यह और पहले हो जाना चाहिए था । टूटे कंवर स्टैंड ,टूटे बेंच अव्यवस्था की कहानी कहती है । वैसे व्यवस्था बदल रही है ,लेकिन आधी अधूरी है।

दंगवार में निकला मुहर्रम पहलाम का जुलूस,पुलिस रही मुस्तैद

हुसैनाबादःकृष्णा यादव

हुसैनाबादः मुहर्रम की पहलाम के अवसर पर हुसैनाबाद के दंगवार चौक बाजार में दंगवार बाजार,बेल बिगहा व कोइरीडीह,अंबागढ़ की जुलूस का मिलन हुआ। इस दौरान मुहर्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संचालन करने हेतू मुहर्रम इंतजामिया कमिटी दंगवार के सदस्य तत्पर रहे। साथ ही दंगवार ओपी प्रभारी सोनू कुमार व हुसैनाबाद प्रशासन द्वारा तैनात मजिस्ट्रेट मौजूद रहे।जुलूस डीजे के साथ चली जब हैदर की तलवार...., अली आ रहे हैं, हुसैन आ रहे हैं...., नाना मदीना छूट गया... गीत हुसैन एवं अली की कुबार्नी की याद में बजाए जा रहे थे।इस दृश्य को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

डॉ अखिलेश गुप्ता ने अतिथियों को पगड़ी बांधकर किया सम्मानित

मुहर्रम के जुलूस का महत्व है तब और बढ़ जाता जब मुहर्रम के दौरान मुस्लिम धर्म के लोगों के साथ बड़ी संख्या में हिन्दू धर्म के लोग सहयोग में उपस्थित रहते हैं।इस दौरान

राधालक्षमी ट्रस्ट के प्रबंधक डॉ अखिलेश कुमार गुप्ता ने राजद के झारखंड प्रदेश महासचिव रवि कुमार यादव, हुसैनाबाद प्रखण्ड प्रमुख राजकुमारी देवी, दंगवार ओपी प्रभारी सोनू कुमार,समाजसेवी मिथलेश पास-ावान सहित उपस्थित सभी अतिथियों तथा मुहर्रम इंतजामिया कमिटी दंगवार के सदस्यों को पगड़ी बांधकर सम्मानित किया एवं मुहर्रम पर्व की मुबारकवाद दी।यह सांप्रदायिक सौहार्द का एक बेहतरीन नमूना भी है। जुलूस बस स्टैंड, चौक बाजार, सोन नदी किनारे दंगवार होते हुए सोन नदी के किनारे कर्बला पर पहुंचकर समाप्त हुई। मौके पर मोहम्मद आजाद अंसारी,हसन खलीफा,मुख्तार अहमद,जुमेद कादरी, सलीम खलीफा, इस्तेखार अली, यरशाद अहमद, मुखिया अमरेंद्र ठाकुर,संतोष राम,चंद्रमौलेश्वर ठाकुर,मनोज गुप्ता, डॉ अखिलेश गुप्ता के अलावे विभिन्न गांव से आए लोग मौजूद रहे।

अखिल भारतीय मध्य देसीय वैश्य सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज कुमार ने सपरिवार बाबा बैद्यनाथ की पूजा अर्चना

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

अखिल भारतीय मध्य देसीय वैश्य सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज कुमार मद्धेशिया आज बाबा बैजनाथ की पुनीत नगरी देवघर अपने परिवार के साथ आकर पूजा अर्चना किया और साथ ही साथ बाबा बैद्यनाथ जी से मंगल कामना किया ।। मनोज कुमार मद्धेशिया ने कहा हमारा हलवाई समाज आदिकाल से ही कहीं ना कहीं लोगों का पेट भरने का काम करता आ रहा है इसलिए हमारे समाज पर भी बाबा बैजनाथ का आशीर्वाद है कि जिन्होंने हमारे हलवाई समाज को मिठाई बनाने का भरोभार दिया और हम लोग लड्डू मिठाई एवं भिन्न तरीके के मिष्ठान बनाकर बाबा को भोग लगाते हैं और हमारे समाज के द्वारा बनाया गया भोग ही सभी देवी, देवताओं पर चढ़ाया जाता है लेकिन अब हमारा समाज मिठाई बनाने के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ावा देकर विभिन्न पदों के साथ विकसित हो रहे हैं और सारे लोग एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं इसलिए अब हमारी भागीदारी राजनीति तौर पर भी सुनिश्चित करने का संकल्प लिए है हमरा समाज सेवा भाव के साथ साथ देश और राष्ट्र सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहा है, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद साह ने कहा की हर साल के भांति इस साल भी पुनः अखिल भारतीय मध्य देसीय वैश्य सभा देवघर जिला कमेटी, झारखंड प्रदेश कमेटी, और राष्ट्रीय कमेटी के तरफ से रांगा मोड़ परिणय वाटिका के पास निःशुल्क बाबा गणिनाथ सेवा शिविर का भव्य आयोजन किया जाएगा जिसमें पूरे देश से आने वाले कांवरियों के लिए विभिन्न तरह की सुविधाएं जिसमें की शरबत ,चाय, पानी,

दवाई ,फल और हमारे समाज के द्वारा बनाई गई हलवा प्रसाद लोगों में वितरण किया जाएगा जो कि नियंत्रण एक महीना तक चलेगा इसकी भी तैयारी पूरी कर ली गई है निशुल्क सेवा शिविर की तैयारी अंतिम चरण पर है आज बाबा बैजनाथ के पूजा अर्चना में अखिल भारतीय मध्य देसीय वैश्य सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज कुमार मद्धेशिया और उनकी धर्मपत्नी ललिता गुप्ता, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद साह ,युवा राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश साह ,युवा प्रदेश महामंत्री राजेश कुमार शाह, और उनके साथ में आए हुए कमल अग्रवाल, अभिनीत अग्रवाल, आदर्श अग्रवाल, नंदनी गुप्ता,और ममता अग्रवाल लोगों ने मिलकर बाबा बैजनाथ से पूजा अर्चना कर राष्ट्र और समाज के लिए मंगल कामना की

झारखंड स्विमिंग संघ के महासचिव शैलेन्द्र तिवारी का देवघर आगमन, खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झारखंड स्विमिंग संघ के महासचिव शैलेन्द्र तिवारी का आज देवघर आगमन हुआ। सर्वप्रथम उन्होंने बाबा बैद्यनाथ धाम और बाबा बासुकिनाथ धाम में जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके उपरांत स्विमिंग शार्क एकेडमी एवं देवघर स्विमिंग संघ के पदाधिकारियों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान महासचिव तिवारी को बुके, शॉल और बाबा बैद्यनाथ का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने देवघर में स्थानीय खिलाड़ियों द्वारा तालाब में स्विमिंग अभ्यास किए जाने को सराहनीय प्रयास बताते

हुए कहा कि देवघर में एक समर्पित स्विमिंग पूल की आवश्यकता है, इसके लिए मैं खेल सचिव से वार्ता करूंगा। इस अवसर पर जिला स्विमिंग संघ के अध्यक्ष सुरेशा नंद झा, सचिव गोपा पाठक, कोषाध्यक्ष चंदना झा, ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष नवीन शर्मा, कोच सुधाकर चौधरी, कोच प्रवीर राय समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अन्य प्रमुख उपस्थितजन में छोटी मालवीय, मुन्ना पासवान, कृष्ण कुमार, विकास वाजपेई, सोनू, लालमोहन, रोहित रंजन, आजाद पाठक, आशीष झा आदि शामिल थे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में देवघर से प्रतिभागी ज्ञात हो कि 12 जुलाई से टाटा में राज्य स्तरीय स्विमिंग चैंपियनशिप आयोजित होने जा रही है, जिसमें देवघर जिला की टीम भी भाग लेगी। चयनित खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार हैः बालक वर्गः अनुराग, सचिन, वंश, अंशुमान, शुभम, मानव बालिका वर्गः नायरा वाजपेई, सौम्या भारद्वाज, श्रद्धा सुमन, मानवी टीम की कोचिंग की जिम्मेदारी सुधाकर चौधरी और प्रवीर राय के पास है, जबकि मैनेजर की भूमिका नवीन

कांग्रेस नेता विनोद कुशवाहा ने निभाई सामाजिक जिम्मेदारी, भक्ति और भाईचारे का दिया संदेश, सैकड़ों लोगों ने चखा लंगर

हजारीबाग

मोहर्रम के पावन अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव विनोद कुशवाहा ने क्षेत्र में सामाजिक समरसता और भाईचारे का परिचय देते हुए लंगर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने लंगर ग्रहण कर इस सेवा कार्य में भागीदारी की। लंगर वितरण कार्यक्रम खास तौर पर मुस्लिम समाज के प्रति सम्मान और एकता के संदेश को लेकर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय लोग, धर्मप्रेमी, युवा एवं कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। विनोद कुशवाहा ने इस अवसर पर कहा कि मोहर्रम त्याग, बलिदान और इंसानियत की शिक्षा देता है। यह केवल मुस्लिम समुदाय का पर्व नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने वाला अवसर है। उन्होंने कहा कि झारखंड कांग्रेस हमेशा सामाजिक सौहार्द, धर्मनिरपेक्षता, और सेवा भाव के सिद्धांतों पर काम करती रही है और आगे भी करती रहेगी। लंगर वितरण कार्यक्रम में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने हिस्सा लिया। सभी ने एकजुट होकर अल्पाहार ग्रहण किया और विनोद कुशवाहा के इस प्रयास की सराहना की। विनोद कुशवाहा ने सभी का आभार जताया और कहा कि भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से सभी धर्मों के लोगों को एक मंच पर लाने का प्रयास जारी रहेगा।

पच्चीस सफल विद्यार्थियों को'योगमाया देवी इंस्पिरेशन अवार्ड' की मानद उपाधि

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। स्थानीय योगमाया मानवोत्थान ट्रस्ट के बैनर तले माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 के 25 सफल विद्यार्थियों को दीनबंधु उच्च विद्यालय स्थित रवीन्द्र सभागार में योगमाया ट्रस्ट के राष्ट्रीय सचिव डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव, मुख्य अतिथि रेड क्रॉस सोसाइटी, देवघर की महिला प्रतिनिधि ममता किरण, विशिष्ट अतिथि प्रगतिशील लेखक संघ, देवघर के अध्यक्ष प्रो. रामनंदन सिंह, दीनबंधु स्कूल के प्रधानाध्यापक काजल कांति सिकदार, समाजसेवी सुमन सौरभ, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की छात्रा आयुषी अन्या, आशुतोष बालिका उच्च विद्यालय, रोहिणी के प्रधानाध्यापक अमित कुमार दुबे एवं राजस्थान निवासी ई. पूनम तिवारी के करकमलों से पुरस्कृत किया गया। ज्ञात हो 60 से 79.99 प्रतिशत प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को यह पुरस्कार दिया गया। प्राप्त सूची के मुताबिक प्रस्तावित उच्च विद्यालय, बामनडीहा के आदित्य कुमार को 61.6 प्रतिशत, जसीडीह संत फ्रांसिस स्कूल के कुमार ऋषभ को 70.4 प्रतिशत, आशुतोष विद्यालय की दीक्षा ओझा को 68.2 प्रतिशत, श्रुति कुमारी को 70 प्रतिशत, खुशी कुमारी को 74 प्रतिशत, साक्षी केशरी को 76 प्रतिशत,

कुमारी रम्भा श्री को 74 प्रतिशत, तन्नू कुमारी को 78.4 प्रतिशत, सभ्यता कुमारी को 67.6 प्रतिशत, प्रीति कुमारी को 60 प्रतिशत, रुक्मिणी कुमारी को 67.6 प्रतिशत, रुक्मणि कुमारी को 64.8 प्रतिशत, रामेश्वर लाल सर्राफ उच्च विद्यालय के आयुष कुमार को 78 प्रतिशत, बारहवीं बोर्ड में ए. एस. कॉलेज की अर्चना कुमारी को 73.4 प्रतिशत, देवघर महाविद्यालय के अभिषेक कुमार एवं पीयूष कुमार साह को क्रमशः 75.2 एवं 77 प्रतिशत, रमा देवी बाजला महिला महाविद्याल की परी गुप्ता को 76.8 प्रतिशत, रानी गुप्ता को 77.6 प्रतिशत, दिव्यांका साह को 75.8 प्रतिशत, सोहानी साह को 76.2 प्रतिशत, आकांक्षा साह को 78.2 प्रतिशत, अंजलि केशरी को 74.2 प्रतिशत, पी. एम. श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, रिखिया, जसीडीह की आयुषी संतोषी को 72 प्रतिशत, एस. एस. प्लस टू हाई स्कूल, मोहनपुर हाट की पायल कुमारी को 78 प्रतिशत, तक्षशीला विद्यापीठ की जिया को 67.6 प्रतिशत अंक प्राप्त हेतु यह सम्मान प्रदान किया गया। मौके पर ममता किरण ने कहा- अगर आप सफल होना चाहते है, तो अपने अंदर की प्रतिभा को पहचानिए। डॉ. देव ने कहा- सोचने में अपना समय व्यर्थ मत कीजिए, अभी अपना कार्य प्रारंभ कर दें। प्रो. सिंह ने कहा- सफलता का कोई मंत्र नहीं है, यह तो सिर्फ परिश्रम का फल है। श्री सिकदार ने कहा- शिक्षक केवल सफलता का रास्ता बता सकता है, लेकिन उस रास्ते पर चलना आपको ही पड़ेगा। सुमन जी ने कहा- सफलता का रास्ता विफलता के रास्ते से होकर ही गुजरता है। आयुषी ने कहा- जिस प्रकार सूर्य स्वयं जलकर प्रकाश फैलाता है, उसी प्रकार अथक प्रयास से ही सफलता हासिल होती है। अमित जी ने कहा-लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपने रास्ते खुद बनाएं, दूसरों के रास्ते पर न चलें। शिक्षक अशोक कुमार साह, विज्ञानविद देवेंद्र चरण द्वारी, छात्रा चाहत पिया ने भी अपनी-अपनी बातें रखी।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर संगोष्ठी

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

भाजपा देवघर जिला ईकाई ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश प्रवक्ता पूर्व विधायक अमित मंडल ने डॉ. मुखर्जी के जीवन और योगदान पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी में अमित मंडल ने बताया कि डॉ. मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने संसद में धारा 370 को समाप्त करने की वकालत की। जम्मू-कश्मीर की एक रैली में उन्होंने प्रण लिया था कि वे या तो वहां भारतीय संविधान लागू करवाएंगे या अपना जीवन बलिदान कर देंगे। डॉ. मुखर्जी का प्रसिद्ध नारा था - 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेगा'। कश्मीर में परमिट व्यवस्था का विरोध करते हुए वे बिना परमिट के वहां गए। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और जेल में यातनाएं दी गईं। 23 जून 1953 को उनका निधन हो गया। जिला अध्यक्ष सचिन रवानी ने भी कार्यक्रम में अपने विचार रखे। जिला अध्यक्ष सचिन रवानी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजीव जजवाड़े, रीता चौरसिया विशाखा सिंह ,नवल राय,विजय सिंह ,प्रज्ञा झा, धनंजय खवाड़े,गोरी शंकर शर्मा ,संध्या कुमारी ,विनीता पासवान, सोना धारी झा ,पंकज सिंह भदोरिया,मोहन यादव,संजय गुप्ता, समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

गोह कन्या इंटर विद्यालय में लगा आरओ प्लांट,विद्यार्थियों को मिलेगा शुद्ध पीने लायक पानी

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह। गोह प्रखंड मुख्यालय के सारवती प्रोजेक्ट इंटर स्कूल में आरओ प्लांट लगाया गया है। बताते चलें कि जहां बिहार सरकार शिक्षा विभाग को हर क्षेत्र में सुधार कर रही है वहीं विद्यार्थियों के लिए पीने का पानी काफी इंतजाम किया जा रहा है इसी कड़ी में सारवती प्रोजेक्ट इंटर स्कूल में आरओ प्लांट लगाया गया है। जिसका उद्घटान विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य विजय पांडेय एवं आत्मा के अध्यक्ष विनय पटेल ने संयुक्तरूप से फीता काटकर किया। उन्होंने बताया कि विद्यालय में आरओ प्लांट स्थापित हो जाने से विद्यालय में पढ़ने वाले सैंकड़ो छात्राओं को शुद्ध पेयजल मिल पाएगा। इस मौके पर शिक्षक सुमित कुमार, सरोज कुमार सिंह, अरविंद कुमार, विनय कुमार, डॉ.ज्योत्स्ना, महेंद्र कुमार, बी.त्रिपाठी, टेक्नीशियन मनोज शुक्ला, मनोज कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

शतचंडी धाम रायपुरा में आद्रा मेला के समापन के दिन हजारों दर्शनार्थियों ने दर्शन किया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय से 5 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल एवं शक्तिपीठ शतचंडी धाम रायपुरा के प्रांगण में 22 जून से चलने वाली आद्रा मेला का आज भक्तिमय वातावरण में समापन हुआ। आद्रा नक्षत्र के अंतिम दिन सुबह सवेरे से ही हजारों भक्तों की भीड़ लगी रही। माता के दरबार में लोगों ने दर्शन पूजा पाठ किया और अगले वर्ष फिर आने के लिए संकल्पित होकर विशेष पूजा अर्चना की।शतचंडी धाम न्यास समिति के सचिव राजेंद्र सिंह अध्यक्ष अमरेश सिंह ने बताया कि 22 जून से लगातार आद्रा मेला में श्रद्धालु भक्तों का तांता लगा रहा।हजारों श्रद्धालु भक्त प्रतिदिन यहां आते थे।बटाने नदी में आस्था की डुबकी लगाते थे और माता की विशेष पूजा अर्चना करते थे। आद्रा मेला में धार्मिक अनुष्ठान को समर्पित करने वाले सामग्री के दुकानों के साथ-साथ बच्चों के खिलौने खान-पान एवं उनके मनोरंजन के साधन भी उपलब्ध देखे गए। बच्चे छुट्टी के दिनों में मेला में मस्ती करते दिखे तो वहीं महिलाएं श्रृंगार प्रसाधन के सामान खरीदने में मशगूल रहीं। आद्रा मेला के सफल संचालन में न्यास समिति के सक्रिय सदस्य विशाल कुमार सिंह,गौतम कुमार सिंह ,भानु प्रताप सिंह, विशाल कुमार सिंह द्वितीय, विवेक कुमार सिंह ,लखन प्रसाद, रामऔतार प्रसाद ,रौशन कुमार सिंह, गौतम कुमार सिंह, रणधीर कुमार सिंह, भागीरथी कुमार सिंह, चंदन मिश्रा सहित अन्य सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही।

बारुण के शहीद भगत सिंह खेल मैदान में मशाल खेल प्रतियोगिता में बच्चों की शानदार प्रस्तुति

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बारुण प्रखंड स्थित शहीद भगत सिंह खेल मैदान में प्रखंड स्तरीय मशाल खेल प्रतियोगिता का शुभारम्भ प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज अग्रवाल,लेखपाल कुश कुमार, डाटा एंट्री ऑपरेटर प्रतिक कुमार, नोडल ऑफिसर शशि भूषण लाल सहित प्रखंड के विभिन्न शारीरिक खेल शिक्षकों के द्वारा किया गया । आज के खेल प्रतियोगिता में लंबी कूद, बॉल थ्रो,60 मीटर,100मीटर, 600मीटर,800 मीटर दौड़ प्रतियोगिताएं हुई। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज अग्रवाल ने संबोधन के क्रम में कहा कि खेल मानव जीवन का अहम हिस्सा है। बचपन से यदि खेल के प्रति सम्यक दृष्टि अपना कर विद्यार्थी अध्ययन काल से ही अग्रसर रहे तो वह अपने जीवन में सफलता की ऊंचाइयों को चूम सकते हैं। मशाल खेल प्रतियोगिता के सफल संचालन में शिक्षिका रिया राजवंशी नीरा कुमारी,अनिता कुमारी ने सराहनीय भूमिका निभाई। वहीं शिक्षक राकेश कुमार यादव,संतोष कुमार,तनोज कुमार,रवि रंजन सिंह, अतुल मोहन, राजेश कुमार सिंह, अरुण कुमार राय, विवेक कुमार सिंह, विजयांश सिंह रौशन कुमार ने विशेष सहभागिता निभाई।खेल प्रतियोगिता 8 जुलाई तक चलेगी जिसमें संकुल स्तर पर जो चयनित खेल में शामिल होने वाले प्रतिभागी हैं उनका मशाल खेल प्रतियोगिता में प्रदर्शन किया जाएगा।

खेमका का सुपारी दे हत्या कराने का शक

दिव्य दिनकर बिहार डिगनेशन विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्र।

पटना हत्या के बाद पुलिस और एसटीएफ कई पर जांच में जुटी है। शूटर ने जिस तरीके से इस घटना को अंजाम दिया उससे यह शक है की सुपारी देकर पैसे पर शूटर से हत्या कराई गई और इस वारदात का मास्टरमाइंड कोई और है। पुलिस ने दो लोगों को शक के आधार पर हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। गाड़ी का शीशा बंद होने के बावजूद भी शूटर ने बाहर से ही गोली चलाकर सिर में गोली मारी। घटना के आसपास शूटर अकेले ही दिख रहा है। इसका साफ-साफ मतलब है कि वह हत्या करने के ही इरादे से आया था,और काफी देर से इंतिजार भी कर रहा था। गोपाल खेमका बांकीपुर क्लब से निकल चुके हैं। शूटर काफी देर से वारदात को अंजाम देने के लिए घटना स्थल के पास घात लगाए बैठा था, डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि एसटीएफ की खेमका का हत्याकांड के करणो का गहना के साथ इस वारदात को लेकर समीक्षा एंगल से जांच की जा रही है। तीन दर्जन से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। पुलिस टीम ने गांधी मैदान के आसपास लगे तीन दर्जन से अधिक सीसीटीवी कैमरा को खांगाला गया। गोपाल खेमका के पहुंचने के इंतजार में था। हत्या को अंजाम देने के बाद वह स्कूटी से जेपी कलम पर होते हुए गंगा पथ की ओर जातेदिखा। उसका अंतिम लोकेशन हाजीपुर से मिला है। इसके बाद ही सीसीटीवी में कोई पता उसका नहीं चल रहा है। इस आधार पर पुलिस को ऐसा लग रहा है कि शूटर उत्तर बिहार के किसी जिले से आया होगा या उसने झांसा देने के लिए ऐसा किया होगा। गोपाल खेमका एक स्वच्छ छवि के आदमी थे। उधर बेउर जेल में भी छापेमारी हुई मामले में पटना पुलिस को अब तक कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। मास्टरमाइंड और शूटर अब तक फरार है। सीसीटीवी कैमरे में स्कूटी सवार कातिल दिख रहा है। वही हत्या के कारणो पर भी संशय बरकरा है। रेंज आईजी जितेंद्र राणा और पटना कमिश्नर चंद्रशेखर सिंह के नेतृत्व में बेउर जेल में छापेमारी की गई ।

मतदाता पुनरीक्षण के विरोध में सपा ने सरकार और आयोग का फूका पुतला

केंद्र के इशारे पर लोकतंत्र का अंतिम संस्कार करने पर तुली है चुनाव आयोग - पप्पू

दिव्य दिनकर

मतदाता पुनरीक्षण अभियान को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने रविवार को चुनाव आयोग के साथ ही केंद्र व राज्य सरकार का पुतला फूक अपना आक्रोश जताया। मतदाता पुनरीक्षण अभियान से आक्रोशित सपाई किला क्षेत्र स्थित शहीद स्मारक से सपा जिला अध्यक्ष पप्पू यादव के नेतृत्व में जुलूस निकाल जिला मुख्यालय के मुख्य मार्गों पर प्रदर्शन करते हुए राजीव गांधी चौक पहुंचा और आयोग व सरकार के पुतले को आग में झोक दिया। इस दौरान आक्रोशित सपाई मतदाता पुनरीक्षण बंद करो, लोकतंत्र की हत्यारे खोलो कान नहीं तो होगी नींद हराम, केंद्र सरकार मुदार्बाद, बिहार सरकार हाय हाय आदि नारे लगा रहे थे। मौके पर सपा जिला अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा कि केंद्र व राज्य की सरकार चुनाव आयोग को आगे कर मतदाता पुनरीक्षण के बहाने राज्य के दलित, शोषित, पीड़ित, अल्पसंख्यक एवं कमजोर वर्ग के लोगों को संविधान प्रदत्त उनके मौलिक अधिकार से वंचित कर लोकतंत्र के अंतिम संस्कार करने की साजिश कर रही है। और तो और आयोग द्वारा हर दिन नयी नयी गाइडलाइन जारी कर आम जन को दिग्भ्रमित किया जा रहा है। जिसका हम सपाई मुहतोड़ जबाब देंगे। वहीं, लोहिया वाहिनी के प्रदेश महासचिव रविकांत झा, पार्टी के प्रधान महासचिव मनोज कुमार मधुकर, मिथलेश यादव, सदर प्रखंड अध्यक्ष ईश्वर मंडल, मुंगेर नगर अध्यक्ष मो आजम, जमालपुर नगर अध्यक्ष अमर शक्ति सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि यह डबल इंजन की सरकार चुनाव आयोग और मतदान की प्रक्रिया को भी अब चंद हाथों मे गिरवी रख देश के 70 फीसदी मतदाता को उसके अधिकार से वंचित करना चाहती है। जनता को इसका जबाब देने के लिए सड़क पर आना होग। मौके पर उपाध्यक्ष रामनाथ राय, महासचिव अशोक भारत, सचिव नकुल यादव, सुरेन्द्र महतो, मिडिया प्रभारी मनोज क्रांति, गोपाल वर्मा, मथुरी यादव, छडपन मंडल, सुनिल साहू, डॉ सुधीर गुप्ता, मनीष यादव, अशोक शर्मा, चंद्रेश्वरी चौधरी, कालेश्वर महतो, देवन यादव, दाहू सिंह, चंदन साहू, प्रमोद यादव, अशोक शर्मा, नागेश्वर मंडल, सदानंद सहित अन्य लोग मौजूद थे।

11 जुलाई विश्व जनसंख्या दिवस पर हडफ्ठ के बैनर तले बनाई जाएगी मानव श्रृंखला

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

बैद्यनाथ शंकर नेत्रालय के प्रसाल में WORC (वर्ल्ड रिस्पांसिबल सिटीजन्स आगेनाईजेशन) के बैनर तले आगामी 11 जुलाई विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने हेतु देवघर के प्रबुद्धजनों संग एक बैठक का आयोजन किया गया। मौके पर हडफ्छ के संस्थापक डॉ एन डी मिश्रा ने कहा कि देश में अनियंत्रित गैर अनुपातिक जनसंख्या एक भयावह रूप में सामने है, इसके निदान हेतु 11 जुलाई विश्व जनसंख्या दिवस पर एक जागरूकता लाने एवं प्रभावशाली कानून बनाने के लिए साकार का ध्यान आकृष्ट करने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। इसी के निमित्त देवघर के प्रबुद्धजनों संग बैठक का आयोजन किया गया, ताकि कार्यक्रम की रुपरेखा बनाया जा सके। इस बैठक के दौरान 11 जुलाई विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर जागरूकता लाने एवं प्रभावशाली कानून बनाने के लिए साकार का ध्यान आकृष्ट करने हेतु एक मानव श्रृंखला बनाई जाएगी। इसके साथ ही कई अन्य कार्यक्रम भी चलाये जायेंगे। मौके पर प्रेम कुमार, पत्रकार प्रमेश कुमार वर्मा,, ममता किरण, कुमारी स्नेहलता, दीपक कुमार, अभिषेक आनंद, सुरेंद्र कुमार, काजल कांति सिकदार, डॉ राजीव रंजन, गौरव शंकर, वैभव शंकर, सरोज कुमार चौधरी, उदय शंकर झा, मनिंद्र कुमार सिंह, अल्पना भट्टाचार्य, सन्नी मित्रा इत्यादि उपस्थित थे।

देव शयनी एकादशी के मौके पर विष्णु धाम में विशेष पूजा अर्चना की गई

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सदर प्रखंड में प्रसिद्ध हुतीर्थ स्थल विष्णु धाम के प्रांगण में देव शयनी एकादशी के मौके पर विशेष पूजा अर्चना की गई। पुण्यदायिनी बटाने एवं मोक्षदायिनी पुनपुन के पावन संगम तट पर अवस्थित विष्णु धाम सनातनी परंपरा का महान तीर्थ स्थल है। जहां सभी पर्वों में सर्वोत्तम एवं सभी एकादशी में महानतम देव शयनी एकादशी के मौके पर विष्णु धाम के वर्तमान महंत बालकांड ब्रह्मचारी जी के नेतृत्व में विष्णु धाम एवं सभी अन्य मंदिरों में पंचोपचार विधि से विशेष पूजा की गई। तत्पश्चात देव शनि एकादशी के बारे में बताया गया कि आज से भगवान विष्णु चार माह के लिए क्षीरसागर में विश्राम करने के लिए चले जाते हैं। इस चार माह में जो वैष्णव परंपरा के मानने वाले लोग हैं उनके लिए कुछ कठोर नियमों का पालन करना होता है। उन्होंने यह भी बताया कि आज के दिन जो श्रद्धालु विष्णु धाम में दर्शन पूजा पाठ करता है उसे अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है । जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने विष्णु धाम का अवलोकन करते हुए बताया कि हरि शयनी एकादशी पर जो भी भक्त भगवान विष्णु की पूजा अर्चना करते हैं उन पर भगवान विष्णु विशेष रूप से भक्तों की प्रार्थनाओं को स्वीकार करते हैं।उनके जीवन को पुण्य रक्षा और कल्याण से भर देते हैं। चातुर्मास के दौरान जब भगवान विष्णु योग निद्रा में जाते हैं तो भगवान शिव सृष्टि का संचालन करते हैं चतुर्मास में भगवान शिव की पूजा का भी विशेष महत्व है इसी चतुर्मास में सावन माह आती है जहां एक माह तक भगवान शंकर की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। और कार्तिक माह के जेठान एकादशी के दिन भगवान विष्णु जागते हैं।

नवीनगर प्रखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम SIR 2025 के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 के सफल एवं निर्विघ्न संचालन हेतु मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (Special Intensive Revision – SIR 2025) प्रचलित है, जिसके अंतर्गत औरंगाबाद जिले में व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता, निरीक्षण एवं निगरानी संबंधी गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में दिनांक 05 जुलाई 2025 को प्रखंड नवीनगर अंतर्गत उच्च विद्यालय, कंकेर में नियुक्त बूथ स्तरीय पदाधिकारी (बीएलओ) द्वारा विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित गणना प्रपत्र (के Immuration Form) भरवाने हेतु उनके अभिभावकों को प्रेरित करने संबंधी जानकारी प्रदान की गई। उक्त अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, नवीनगर के द्वारा भी आम मतदाताओं को जागरूक करने हेतु प्रचार-प्रसार कार्य प्रारंभ कराया गया। इस हेतु ऑटो वाहन के माध्यम से माइक्रोफोन के द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार कराते हुए नागरिकों को निर्धारित समयावधि में गणना प्रपत्र भरने हेतु प्रोत्साहित किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद द्वारा जिलेवासियों से अपील की गई है कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें एवं अपने परिवार के समस्त पात्र सदस्यों का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने हेतु गणना प्रपत्र यथाशीघ्र भरें।

उ्द्धफ्द्ध कॉलेज ऑफ फामेर्सी सतबहिनी पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच सह चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सुप्रसिद्ध शिक्षण संस्थान DPRP कॉलेज ऑफ फामेर्सी सतबहिनी पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच सह चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। बताते चलें कि स्वास्थ्य जांच सह चिकित्सा शिविर का आयोजन अम्बा के पंचायत भवन में दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच सह चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जहां शिविर में सैकड़ों मरीजों को कई तरह की बीमारियों संबंधी लोगों का चिकित्सा की गई। वहीं इस शिविर में चिकित्सा कराने पहुंचे मरीजों ने कहा कि शिविर में न उन्हें सिर्फ चिकित्सा की गई बल्न्हें मुफ्त में दवाइयां भी मुहैय्या कराई गई। मरीजों ने कहा कि यह नेक कार्य है खासकर गरीब गुरुबो के लिए जो पैसे के अभाव में वे अपना इलाज नहीं करा पाते। वहीं DPRP कॉलेज ऑफ फामेर्सी के प्रिंसिपल ज्योत्सना नाज ने बताया कि इस तरह का स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कई बार पहले भी किया जा चुका है और आगे भी संस्थान के द्वारा शिविर लगाकर लोगों की चिकित्सा जारी रहेगा। जबकि इस शिविर में पहुंचे चिकित्सकों ने मरीजों को कई तरह की बीमारियों के बारे में विस्तृत रूप से उन्हें जानकारियां साझा की और बीमारियों से बचने का उपाय भी बताया। आगे इस निःशुल्क स्वास्थ्य जांच सह चिकित्सा शिविर में DPRP कॉलेज ऑफ ग्रुप्स के CMD तथा सुप्रसिद्ध समाजसेवी शंभूनाथ पाण्डेय ने कहा कि स्वास्थ्य शिविर लगाकर कार्य करने में एक अलग भाव उत्पन्न होता है। कहा की जनमानस की सेवा करने में न सिर्फ संतुष्टि प्राप्त होती है बल्कि मेरा फर्ज बनता है कि लोगों का सहयोग करता रहूं।

पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय में धूमधाम से मना निपुण दिवस

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय में निपुण भारत मिशन के आरम्भ के चौथे वर्षगांठ पर निपुण दिवस का आयोजन विद्यालय के प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के हैसियत से पधारे विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र व प्रमुख ऑटो व्यवसायी अभिषेक रंजन एवं प्राचार्य ने संयुक्त रूप से कक्षा एक दो एवं तीन के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को उपहार एवं ₹मै निपुण हूँ₹ का बैज प्रदान कर सम्मानित किये।इस अवसर पर स्कूल के प्रिंसिपल उदय कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में पांच जुलाई 2021को वर्ग एक दो एवं तीन के छात्र छात्राओं को बुनियादी साक्षरता एवं सरल गणितीय संगणना का ज्ञान वर्ग के अनुरूप मुहैया कराने हेतु निपुण भारत मिशन का शुभारंभ किया गया था। आज मिशन चार वर्ष पूरे हो गए हैं और नतीजे काफी बेहतर सामने आए हैं। बच्चे भाषा सिख कर अपने विचारों को सुंदरता से व्यक्त कर रहे हैं और गणितीय ज्ञान उन्हें निर्णय सोच समझकर लेने में सशक्त कर रहा है। मौके पर अतिथि के रूप में उपस्थित अभिषेक ऑटो के चेयरमैन अभिषेक रंजन ने कहा कि आज सरकारी स्कूल के बच्चे निपुण बन रहे हैं।वह गृह कार्य कर रहे हैं, स्वच्छता के प्रति आग्रही दिख रहे हैं, चीजों को आंखों से नहीं वैज्ञानिक नजरिए से देख रहे हैं, अपनी मातृभाषा में सीखने की क्षमता में आशातीत रूप से समृद्ध हो रहे हैं। वह बच्चों को पुरस्कृत किए एवं इनके वर्ग शिक्षकों नैयर शाहीन, तबस्सुम एवं मीना कुमारी को भी निपुण दिवस की शुभकामनाएं प्रदान किए।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी किसान के बिहार प्रदेश अध्यक्ष बने आशुतोष सिंह

रिपोर्ट - ब्यूरो चीफ प्रमोद कुमार सिंह के साथ विश्वास चौरसिया

सासाराम

गजरार गौरक्षणी वार्ड नंबर 13 सासाराम के रहने वाले आशुतोष सिंह को पुनः दुबारा बिहार प्रदेश अध्यक्ष किसान बनाए गये आशुतोष सिंह,राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी दिल्ली कार्यालय से राष्ट्रीय सचिव सह बिहार पर्यवेक्षक सच्चिदानंद सिंह ने पत्र जारी कर बताया कि गजरारह गौरक्षणी सासाराम के आशुतोष सिंह पुनः दोबारा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी किसान के बिहार प्रदेश अध्यक्ष बनाए गये,यह पत्र दिल्ली कार्यालय से जारी किया गया है आशुतोष सिंह सासाराम विधानसभा क्षेत्र से 2020 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सिंबल चुनाव चिन्ह से चुनाव भी लड़ चुके हैं तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के रोहतास जिला अध्यक्ष भी रह चुके हैं साथ में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बिहार प्रदेश के उपाध्यक्ष के साथ-साथ बिहार प्रदेश मुख्य प्रवक्ता भी बनाए जा चुके हैं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी किसान के बिहार प्रदेश अध्यक्ष बनने पर सासाराम रोहतास सहित पूरे बिहार के लोग राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता हर्ष व्यक्त किए हैं इस मौके पर नियुक्त किसान प्रदेश अध्यक्ष बिहार आशुतोष सिंह ने कहा कि जिस तरह महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री सह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत पवार जी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सह राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल जी ने मुझ पर विश्वास करके किसान के प्रदेश अध्यक्ष बनाये है मैं बिहार में पार्टी को बहुत ही मजबूत करने का काम करूंगा मेरा मुख्य उद्देश्य आम जनता किसानों के हित में काम करना और किसानों के आवाज बनकर सरकार तक बात पहुंचाना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पूरे बिहार में मजबूती प्रदान करना है।

गोह में भाजपा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मनाई, पुष्पांजलि अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)। भारतीय जनता पार्टी के गोह कार्यालय में शनिवार को जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती सादगी और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. मुखर्जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोह विधानसभा प्रभारी एवं भाजपा जिला मंत्री सुबोध कुमार सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपहारा मंडल अध्यक्ष राजीव कुमार विद्यार्थी ने की, जबकि संचालन मंडल महामंत्री विक्कू त्रिपाठी ने किया। इस दौरान लोजपा नेता रणधीर पासवान, मंडल अध्यक्ष उमेश पासवान, प्रमोद सिंह, नंदू पासवान, मोहरलाल मिश्रा सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों और देश के प्रति उनके समर्पण को याद करते हुए उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया।

संविधान की प्रस्तावना के साथ न हो खिलवाड़

>> विचार

"42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द जोड़े गए थे लेकिन यह सच नहीं है कि ये मूल्य संविधान की भावना या स्वभाव के खिलाफ जाते हैं। प्रभावी रूप से संशोधन के ये एकमात्र हिस्से हैं जो आज 50 साल बाद भी अधोरेखित हैं। संशोधन के अन्य हिस्सों को निरस्त कर दिया गया है या हटा दिया गया है लेकिन प्रस्तावना में जोड़े गए शब्द बने रहे क्योंकि वे भारत के संविधान के व्यापक रूप से स्वीकृत लोकाचार को सुदृढ़ और उजागर करने में मदद करते हैं। 7वीं, 8वीं और 9वीं लोकसभा के पूर्व महासचिव और संविधान पर अपनी लोकप्रिय पुस्तकों के लिए जाने जाने वाले संविधान विशेषज्ञ सुभाष सी. कश्यप ने लिखा है

जगदीश रत्तनानी

यह वह बहुमूल्य विरासत है जिसे अब नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी तरह का एक प्रयास 2015 में देखा गया था जब केंद्र सरकार ने विज्ञापन जारी किया था जिसमें प्रस्तावना की एक छवि को चित्रित किया गया था लेकिन 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों के बिना। इसके तुरंत बाद भाजपा नेताओं अरुण जेटली, एम. वेंकैया नायडू और अमित शाह ने इस बात से इनकार किया कि प्रस्तावना में संशोधन करने का कोई कदम उठाया गया है। आज के भारत में भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्दों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-भाजपा के समन्वित हमले को एक च्बहसज् के रूप में वर्गीकृत करना गलत होगा। यह एक सोचा-समझा एजेंडा है जो न तो राष्ट्र की भलाई करता है और न ही आरएसएस-भाजपा के हित में है। वास्तव में यह केवल उन व्यापक आशंकाओं की पुष्टि करता है कि आरएसएस-भाजपा संविधान की मूल संरचना के साथ खेलने के नए तरीकों की तलाश कर रहा है जो लंबे समय से प्रचारित इस दृष्टिकोण को और वजन देता है कि आरएसएस ने वास्तव में डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान को कभी स्वीकार नहीं किया। यह उस 'चार सौ पार' के असफल अभियान की भी याद दिलाता है जिसमें भाजपा ने 2024 के आम चुनावों में तीन-चौथाई बहुमत की मांग की थी। यह संविधान के साथ छेड़छाड़ करने और उसके चरित्र को बदलने वाली संख्या थी। इस अभियान की असफलता ने भाजपा के इरादों पर पानी फेर दिया था। अगर यह लक्ष्य आज भी जारी है तो यह केवल विभाजनकारी एजेंडे की बात करता है जिसे आपातकाल का हवाला देकर भारत के संविधान से 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' को हटाने या मिटाने की कोशिश से छिपाया नहीं जा सकता।

इस अभियान को चलाकर भाजपा बड़े व्यवसायों के शक्तिशाली हितों से जुड़ी पार्टी के रूप में अधिक देखे जाने का खतरा उठा रही है जो कल्याणवाद से दूर हो रही है और उन चुने हुए क्रोनी पूंजीपतियों की मजबूत पकड़ में है जो 2014 में पार्टी के केंद्रीय सत्ता में आने के बाद से मोटे हो गए हैं। नीतियों ने असमानता

को बढ़ाया है, बेरोजगारी को बढ़ाया है और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) जैसे उपहारों को बढ़ावा दिया है जिसे सरकार द्वारा 'खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक कल्याण योजनाओं में से एक' के रूप में वर्णित किया गया है। पीएमजीकेएवाई 2024-2028 से पांच साल की अवधि में 11.80 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित कुल लागत पर 80 करोड़ से अधिक भारतीयों को मुफ्त अनाज प्रदान करता है। यदि यह योजना (और कई अन्य) कल्याणकारी राज्य के आदर्शों में विश्वास नहीं दिलाती है तो इसका क्या अर्थ है? क्या ये खैरात जब अमीर समर्थक नीतियां जोर पकड़ती हैं तब गरीबों को चुप रखने के लिए है? क्या नीति निर्माण के केंद्र में बेईमानी है या वास्तव में भारत की स्थिति इतनी विकट है कि इस योजना से लाभान्वित होने वाला 70 प्रतिशत हिस्सा मुफ्त अनाज के बिना नहीं रह सकता है? प्रधानमंत्री के विचारों से तस्वीर और जटिल हो जाती है। उदाहरण के लिए कई राज्यों में महिलाओं के लिए गतिशीलता और आर्थिक सशक्तिकरण को सक्षम बनाने वाली मुफ्त सार्वजनिक बस सवारी के खिलाफत की नीति। तो आरएसएस-भाजपा समान न्याय और पुनर्वितरण की विचारधारा के पक्ष में हैं या उसके खिलाफ हैं?

दक्षिण में भारत की छवि चमकाने का अवसर

हालांकि यह सच है कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक काला अध्याय बने आपातकाल के दौरान 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द जोड़े गए थे लेकिन यह सच नहीं है कि ये मूल्य संविधान की भावना या स्वभाव के खिलाफ जाते हैं। प्रभावी रूप से संशोधन के ये एकमात्र हिस्से हैं जो आज 50 साल बाद भी अधोरेखित हैं। संशोधन के अन्य हिस्सों को निरस्त कर दिया गया है या हटा दिया गया है लेकिन प्रस्तावना में जोड़े गए शब्द बने रहे क्योंकि वे भारत के संविधान के व्यापक रूप से स्वीकृत लोकाचार को सुदृढ़ और उजागर करने में मदद करते हैं। 7वीं, 8वीं और 9वीं लोकसभा के पूर्व महासचिव और संविधान पर अपनी लोकप्रिय पुस्तकों के लिए जाने जाने वाले संविधान विशेषज्ञ सुभाष सी. कश्यप ने लिखा हैः '... (दो शब्दों के) जोड़ने का प्रभाव केवल उस बात की पुष्टि और स्पष्टीकरण देने का था जिसे संविधान की मूल विशेषता के रूप में पहले से मौजूद माना जाता था। कश्यप लिखते हैं कि 1974 में सेंट जेवियर कॉलेज सोसाइटी बनाम गुजरात राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 'हालांकि संविधान धर्मनिरपेक्ष राज्य की बात नहीं करता है लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं हो सकता है कि संविधान निर्माता ऐसे राज्य की स्थापना करना चाहते थे'। इसके अलावा जैसा कि संविधान नोट करता है, विशेष रूप से धर्मनिरपेक्षता एक मौलिक अधिकार के रूप में धर्म की स्वतंत्रता की गारंटी में निहित है। समाजवाद शब्द के लिए भी यही बात है क्योंकि जब सभी नागरिकों को 'सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक' न्याय सुरक्षित करने का संकल्प लिया गया और 'स्थिति और अवसर की समानता' के विचार को स्वयं प्रस्तावना ने अपना उच्च आदर्श बताया था। आपातकाल से काफी पहले 1973 के ऐतिहासिक 'केशवानंद भारती' मामले में 13 न्यायाधीशों की पीठ ने बहुमत से फैसला सुनाया था कि 'संविधान का धर्मनिरपेक्ष चरित्र' इसकी 'मूल संरचना' का हिस्सा है जो 'सर्वोच्च महत्व' का है और 'किसी भी संशोधन के द्वारा नष्ट नहीं किया जा सकता'। अदालत ने निम्नलिखित मुद्दों को 'मूल संरचना' की विशेषताओं के रूप में पहचाना जिन्हें छुआ नहीं जा सकता हैः (ए) संविधान की सर्वोच्चता (बी) सरकार का रिपब्लिकन और लोकतांत्रिक रूप (सी) संविधान का धर्मनिरपेक्ष चरित्र (डी) विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का पृथक्करण (ई) संविधान का संघीय चरित्र। न्यायाधीशों ने कहा, 'उपरोक्त नींव और उपरोक्त बुनियादी विशेषताएं न केवल प्रस्तावना से बल्कि संविधान की पूरी योजना से आसानी से समझी जा सकती हैं। आपातकाल के बाद जुलाई 1980 के 'मिनर्वा मिल्स' मामले में न्यायालय ने फैसला सुनाया कि प्रस्तावना में बदलाव के लिए 'कोई अपवाद नहीं लिया जा सकता है' क्योंकि 'वे संशोधन न केवल संविधान के ढांचे के भीतर हैं बल्कि वे इसके दर्शन को जीवन शक्ति देते हैं; वे इसकी नींव को ताकत और सहायता प्रदान करते हैं'। अदालत ने कहाः 'वे और अधिक का वादा करते हैं; वे एक अनमोल विरासत को नष्ट नहीं करते हैं। यह वह बहुमूल्य विरासत है जिसे अब नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी तरह का एक प्रयास 2015 में देखा गया था जब केंद्र सरकार ने विज्ञापन जारी किया था जिसमें प्रस्तावना की एक छवि को चित्रित किया गया था लेकिन 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों के बिना। इसके तुरंत बाद भाजपा नेताओं अरुण जेटली, एम. वेंकैया नायडू और अमित शाह ने इस बात से इनकार किया कि प्रस्तावना में संशोधन करने का कोई कदम उठाया गया है। अब इस मुद्दे को फिर से उठाया जाना इंगित करता है कि भाजपा के बारे में कुछ भी अनौपचारिक नहीं हो सकता है या वैचारिक मान्यताओं के भार एवं निश्चित फेम के साथ सोचा नहीं जा सकता है जो तेजी से बदलती दुनिया में नीतियों में मददगार हो। अगर यह देश को एक नई दिशा में ले जाने के लिए एक अति-नियोजित, रणनीतिक रूप से डिज़ाइन किया गया सटीक हमला है तो यह सत्तारूढ़ गठबंधन की चिंताओं और प्राथमिकताओं के बारे में अच्छी तरह से नहीं बोलता है। यह एक ऐसा समय है जब भारत कई ज्वलंत मुद्दों का सामना कर रहा है, वैश्विक उथल-पुथल के कारण आंतरिक संकट बढ़ रहे हैं। अगर सत्तारूढ़ गठबंधन भविष्य के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय प्रस्तावना के अच्छी तरह से स्वीकृत और वास्तव में अत्यधिक सम्मानित भागों को संशोधित करने पर अपनी ऊर्जा खर्च करेगा तो यह बहुत अफसोस की बात होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

संपादकीय

जनता सांस मांग रही वाहनों की उम्र नहीं

यह बेवजह नहीं है कि गुरुवार को दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को पत्र लिख कर कहा कि तकनीकी चुनौतियों और जटिल प्रणाली के कारण तय मियाद पूरी कर चुके वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध लगाना व्यावहारिक नहीं है। यानी फिलहाल पुराने वाहनों को सड़कों से हटाने की कवायद थमती दिख रही है। हालांकि इसे लेकर आम लोगों के बीच जैसी प्रतिक्रिया सामने आई, उसके बाद यह देखने की बात होगी कि इस मसले पर सरकार क्या रुख अपनाती है। माना जाता है कि तकनीकी रूप से पुराने, अधिक ईंधन खपत करने और खराब रखरखाव वाले वाहनों से प्रदूषण ज्यादा फैलता है और ऐसी स्थिति में ऐसे वाहन पर्यावरण और लोगों की सेहत के लिए जोखिम भरे हो सकते हैं। मगर ऐसे सवाल भी उठते रहे हैं कि प्रदूषण फैलाने के लिए किसी वाहन की उम्र को पैमाना माना जाना चाहिए या फिर प्रदूषित पदार्थ उत्सर्जित करने की जांच के आधार पर वाहन के दुरुस्त होने के बारे में तय किया जाएगा। अगर कोई पुराना वाहन पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित है, तो उसकी उम्र को ही अकेला मानदंड क्यों बनाया जाना चाहिए? जहां तक दिल्ली का सवाल है, यह न केवल अन्य राज्यों के कुछ शहरों को मिला कर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, बल्कि दिल्ली के अलावा अन्य शहरों में पुराने वाहनों को लेकर अलग नियम हैं। साथ ही दिल्ली में आसपास के राज्यों से हर रोज ऐसे हजारों वाहन आते-जाते हैं, जो पुराने हो सकते हैं, हालांकि उन्हें दूसरे राज्यों में प्रदूषण जांच के पैमाने पर दुरुस्त माना जाता है। शायद इसीलिए ऐसे सवाल उठते रहे हैं कि जिन वाहनों को दूसरे राज्यों या इलाकों में प्रदूषण फैलाने की कसौटी पर सुरक्षित माना जाता है, उन्हें दिल्ली के लिए मुसीबत क्यों माना जाना चाहिए! या फिर अन्य राज्यों के वाहनों के लिए अलग नियम कैसे सही हैं! निश्चित रूप से प्रदूषण एक गंभीर समस्या है। मगर इससे निपटने के तौर-तरीकों में अगर विरोधाभास होगा तो उसकी व्यावहारिकता कसौटी पर रहेगी।

कम में अधिक कहने की कला: चन्द्रधर शीर्मा गुलेरी की साहित्य-यात्रा

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का नाम हिंदी साहित्य के उस दीप्तिमान आकाश में एक तारे-सा जगमगाता है, जिसकी किरणें समय की सरहदों को पार कर आज भी पाठकों के हृदय को प्रज्वलित करती हैं। 7 जुलाई, उनकी जयंती, महज एक तारीख नहीं, बल्कि एक ऐसी साहित्यिक तीर्थयात्रा का प्रतीक है, जो संवेदना, विचार और शिल्प की त्रिवेणी से रची गई। गुलेरी जी ने भले ही चुनिंदा रचनाएँ दीं, किंतु प्रत्येक रचना एक रत्न-सी चमकती है, जिसने हिंदी साहित्य को अभूतपूर्व ऊँचाइयों तक पहुँचाया। उनकी अमर कृति 'उसने कहा था' न केवल हिंदी की पहली आधुनिक कहानी के रूप में एक युगांतकारी उपलब्धि है, बल्कि मानव मन की गहन संवेदनाओं और भावनाओं का ऐसा सजीव चित्र है, जो हर युग में जीवंत और प्रासंगिक रहेगा। उनकी जयंती पर उनके साहित्यिक अवदान को स्मरण करना प्रत्येक साहित्यप्रेमी के लिए एक गौरवमयी क्षण है, जो हमें साहित्य की अमर शक्ति और उसकी परिवर्तनकारी ताकत से जोड़ता है।

गुलेरी जी की लेखनी में एक ऐसी मंत्रमुग्ध कर देने वाली सादगी थी, जो पाठक के मन को सहज ही बाँध लेती थी। उनकी कहानियाँ महज शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि भावनाओं का एक अथाह सागर थीं, जिसमें गोता लगाकर पाठक आत्ममंथन की गहराइयों में खो जाता है। 'उसने कहा था' एक ऐसी कालजयी रचना है, जो प्रेम, कर्तव्य और बलिदान के त्रिकोण को इतने हृदयस्पर्शी अंदाज में पिरोती है कि वह पाठक के अंतर्मन को झकझोर देती है। लहना सिंह और सूबेदारनी की क्षणभंगुर मुलाकात, उनके बीच का अनकहा प्रेम और अंत में लहना सिंह का सर्वोच्च बलिदान झ यह कहानी केवल एक कथा नहीं, बल्कि मानव जीवन के उन शाश्वत सत्यों का साक्षात्कार है, जो समय की कसौटी पर और भी प्रखर हो उठते हैं। गुलेरी जी ने प्रेम को एक ऐसी अलौकिक शक्ति के रूप में उकेरा, जो स्वार्थ को तजकर कर्तव्य और निष्ठा के साथ एकरूप हो जाती है। इस कहानी का

प्रत्येक संवाद, प्रत्येक दृश्य और प्रत्येक भाव इतना सजीव है कि वह पाठक को एक अविस्मरणीय भावनात्मक यात्रा पर ले जाता है, जहाँ हर शब्द हृदय की गहराइयों को स्पंदित करता है।

गुलेरी जी केवल एक कथाकार ही नहीं, बल्कि एक विद्वान, शिक्षक और विचारक भी थे। संस्कृत, पाली, प्राकृत, अंग्रेजी, फारसी और उर्दू जैसी भाषाओं में उनकी गहरी पकड़ थी। इतिहास, पुरातत्त्व और भारतीय संस्कृति पर उनके शोध ने उनकी रचनाओं को एक वैचारिक गहराई प्रदान की। जयपुर और बनारस के शिक्षण संस्थानों में अध्यापन के दौरान उन्होंने अपने विद्यार्थियों में न केवल ज्ञान का प्रकाश फैलाया, बल्कि उनमें स्वतंत्र चिंतन और सृजनात्मकता का बीज भी बोया। उनकी लेखनी में विद्वता और सहजता का अद्भुत समन्वय था। उनके निबंध, जैसे 'बुद्धि-विलास', उनकी बौद्धिक प्रखरता और व्यंग्यात्मक शैली के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। वे मानते थे कि साहित्य का उद्देश्य केवल कहानी कहना नहीं, बल्कि पाठक के मन में गहरे विचारों और संवेदनाओं को जागृत करना है। उनकी भाषा में एक ऐसी स्वच्छंदता थी, जो विद्वानों को प्रेरित करती थी और सामान्य पाठकों के लिए भी सहज थी।

गुलेरी जी की रचनाएँ उनकी शब्दों पर अद्भुत पकड़ और विचारों की क्रिस्टल-स्पष्ट गहराई का जीवंत प्रमाण हैं। वे जटिलता के कट्टर विरोधी थे, और उनकी लेखनी में ऐसी मनोहारी सरलता थी, जो पाठक को सहज ही कथा के हृदय तक ले जाती थी, मानो कोई जादुई प्रवाह हो। उनकी कहानियाँ और निबंध केवल साहित्यिक कृतियाँ नहीं, बल्कि मानव जीवन की गहन जटिलताओं, संवेदनाओं और सत्य का दर्पण हैं, जो पाठक के मन को झकझोर देते हैं। 'उसने कहा था' में प्रेम और कर्तव्य के द्वंद्व को उन्होंने जिस संवेदनशीलता और गहराई से उकेरा, वह उस युग के साहित्यिक क्षितिज पर एक क्रांतिकारी मील का पत्थर साबित हुआ। यह कृति न केवल हिंदी साहित्य की पहली आधुनिक कहानी के रूप में अमर है, बल्कि एक ऐसी शक्तिशाली रचना है, जो पाठक को सच्चे प्रेम, बलिदान और मानवीय मूल्यों की गहन खोज में डुबो देती है, उन्हें आत्म-चिंतन के लिए विवश करते हुए।

गुलेरी जी का व्यक्तित्व उनकी रचनाओं की तरह ही गरिमामय और विनम्र था। उनकी विद्वता कभी आडंबर में नहीं बदली। वे ज्ञान को एक साधन मानते थे, जिसका उपयोग समाज को समृद्ध करने के लिए होना चाहिए। उनका जीवन और लेखन दोनों ही बौद्धिक ईमानदारी और संवेदनशीलता का प्रतीक था। आज के दौर में, जब साहित्य तेजी से उपभोक्तावादी संस्कृति का हिस्सा बन रहा है, गुलेरी जी का साहित्य हमें यह सिखाता है कि साहित्य का असली मूल्य उसकी गहराई और संवेदना में है, न कि उसकी मात्रा में। उनकी रचनाएँ हमें यह याद दिलाती हैं कि सच्चा साहित्य वही है, जो समय और स्थान की सीमाओं को पार कर पाठक के हृदय तक पहुँचे।

7 जुलाई को उनकी जयंती मनाना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रेरणा को आत्मसात करने का अवसर है, जो हमें साहित्य की सच्ची शक्ति से जोड़ती है। उनकी रचनाएँ आज भी स्कूल-कॉलेजों के पाठ्यक्रमों में पढ़ाई जाती हैं, उन पर नाटक और फिल्में बनती हैं, लेकिन उनका सबसे बड़ा योगदान यह है कि वे पाठकों के मन में एक जीवंत भावना के रूप में बस्ती हैं। 'उसने कहा था' का हर पात्र, हर संवाद और हर दृश्य इतना प्रामाणिक है कि वह पाठक को अपने साथ एक भावनात्मक यात्रा पर ले जाता है। गुलेरी जी का साहित्य हमें यह सिखाता है कि कुछ शब्द, यदि दिल से निकलें, तो वे अनंत काल तक गूँज सकते हैं।

गुलेरी जी का साहित्य हिंदी साहित्य के उस स्वर्ण युग का हिस्सा है, जब लेखक केवल कहानीकार नहीं, बल्कि समाज के मार्गदर्शक भी थे। उनकी रचनाएँ हमें यह सिखाती हैं कि साहित्य का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा को जागृत करना, सोच को विस्तार देना और जीवन को सार्थक बनाना है। उनकी जयंती पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम उनके साहित्य को न केवल पढ़ेंगे, बल्कि उसकी भावना को अपने जीवन में उतारेंगे। चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का साहित्य एक ऐसी ज्योति है, जो कभी मंद नहीं पड़ती। उनकी लेखनी की गूँज आज भी हमारे बीच जीवित है और हमेशा रहेगी। उनकी जयंती पर उन्हें स्मरण करना एक साहित्यप्रेमी के लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है, क्योंकि उनका साहित्य न केवल एक रचना है, बल्कि एक ऐसी प्रेरणा है, जो हमें मानवता, संवेदना और सृजनात्मकता के पथ पर ले जाती है।

भोजन के बाद, भारतीय शादियों पर सबसे ज्यादा खर्च करते हैं

विजय गर्ग

भारतीय विवाह उद्योग का मूल्य करीब 10 लाख करोड़ रुपए है, जो खाद्य और किराना के बाद दूसरे स्थान पर है। एक रिपोर्ट कहती है कि औसतन भारतीय शिक्षा पर जितना खर्च करते हैं, उसका दोगुना खर्च शादियों पर करते हैं। भारत में सालाना 400,000 से 100,000 शादियां होती हैं, जबकि चीन में 700,000 से 800,000 और अमेरिका में 250,000 से 250,000 शादियां होती हैं। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारतीय विवाह उद्योग का आकार अमेरिका ($70 बिलियन) से लगभग दोगुना है। हालांकि, यह चीन ($170 बिलियन) से छोटा है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में शादियां दूसरी सबसे बड़ी उपभोक्ता श्रेणी है। अगर शादियां एक श्रेणी होतीं, तो वे खाद्य और किराना ($681 बिलियन) के बाद दूसरी सबसे बड़ी खुदरा श्रेणी होतीं अनावश्यक शादियों पर अंकुश लगाने के प्रयासों के बावजूद, विदेशों में भव्य शादियाँ भारतीय वैभव को प्रदर्शित करती हैं। हर साल 8 मिलियन से 10 मिलियन शादियाँ होने के साथ, भारत में

दुनिया में सबसे ज़्यादा शादियाँ होती हैं। सीएटी के अनुसार, इसका अनुमानित मूल्य 130 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। भारत का विवाह उद्योग अमेरिका के लगभग दोगुना है और प्रमुख उपभोग श्रेणियों में महत्वपूर्ण योगदान देता है। भारतीय शादियाँ कई दिनों तक चलती हैं और साधारण से लेकर बहुत भव्य तक होती हैं। क्षेत्र, धर्म और आर्थिक पृष्ठभूमि इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

खजूरी चौक पर जाम से निजात के लिए उच्चस्तरीय बैठक, मंत्री कपिल मिश्रा ने दिए समयबद्ध समाधान के निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के खजूरी चौक पर लगने वाले भीषण ट्रैफिक जाम को लेकर दिल्ली सचिवालय में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। दिल्ली के विकास मंत्री कपिल मिश्रा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में राजधानी के इस प्रमुख ट्रैफिक जंक्शन पर यातायात संचालन को सुचारु बनाने के लिए समग्र योजना पर विचार हुआ। मंत्री ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय से काम कर समयबद्ध तरीके से समाधान प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मंत्री ने बताया कि खजूरी चौक दिल्ली का एक प्रमुख ट्रैफिक जंक्शन है, जहां वजीराबाद, सिग्नेचर ब्रिज, भजनपुरा, शास्त्री पार्क, करावल नगर जैसे घने आबादी वाले क्षेत्रों से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं। यह क्षेत्र लगातार ट्रैफिक जाम की चपेट में रहता है, जिससे न केवल यात्रियों को परेशानी होती है बल्कि एंबुलेंस, दमकल और अन्य आपातकालीन सेवाओं की गति भी बाधित होती है। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण , दिल्ली ट्रैफिक पुलिस, लोक निर्माण विभाग, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन सहित कई प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर एक स्थायी और व्यवहारिक समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाना है।

बाबरपुर में कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों पर चर्चा

नई दिल्ली। संगठन सृजन अभियान के तहत उत्तर पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र के बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी में कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर की अध्यक्षता दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने की। देवेंद्र यादव ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सहयोग से शुरु किए गए प्रशिक्षण शिविर तीन सेशन में होंगे। प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस का विजन, कांग्रेस के स्वर्णिम इतिहास और दूसरे सेशन में बूथ, मंडलम, ब्लॉक अध्यक्ष, जिला पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों और तीसरे सेशन में चुनाव के समय पार्टी और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों और कार्यशैली पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन भी मौजूद रहे थे। देवेंद्र यादव ने कहा कि संगठन सृजन अभियान का पहला पड़ाव दिल्ली के प्रभारी काजी निजामुद्दीन के नेतृत्व में सफलता के साथ पूरा किया और दूसरे पड़ाव में उनके निर्देशानुसार संगठन सृजन अभियान के तहत सभी जिलों में कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत आज से हुई है।

स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी भारत की चेतना के प्रेरणा स्रोत : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौक पर उन्होंने कहा कि भारत की युवा शक्ति को आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और सेवा-भाव की ओर प्रेरित करने वाले स्वामी विवेकानंद केवल एक संत नहीं, बल्कि भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के अग्रदूत रहे। यह कार्यक्रम रोहिणी सेक्टर-8 स्थित विवेकानंद वरिष्ठ नागरिक फोरम द्वारा आयोजित किया गया। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन और दर्शन आज के भारत के लिए पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है। जब हम आत्मनिर्भर भारत, युवाशक्ति के उत्थान और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को लेकर सजग हैं, तब विवेकानंद के विचार हमें आत्मबल, राष्ट्रभक्ति और सार्वभौमिक मानवता के मूल्यों की ओर लौटने का संदेश देते हैंद्य गुप्ता ने कहा कि विवेकानंद का संदेश केवल धार्मिक या आध्यात्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक न्याय, शिक्षा और राष्ट्रनिर्माण के लिए एक ठोस दृष्टिकोण भी प्रदान करता है। उनकी दृष्टि में युवा केवल शारीरिक रूप से सशक्त नहीं, बल्कि नैतिक रूप से दृढ़ और मानसिक रूप से प्रबुद्ध होना चाहिए। यह आज के समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएं केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की दिशा तय करने वाली प्रेरक शक्ति हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की याद में आम की विशेष किस्म उगाई जाएगी :कुलजीत सिंह चहल

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने शनिवार को विनय मार्ग पर चाणक्यपुरी, स्थित पालिका सेवा अधिकारी संस्थान (पीएसओआई) में दो दिवसीय मैंगो फेस्टिवल खास-ए-आम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की याद में आम की एक विशेष किस्म उगाई जाएगी। कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि एनडीएमसी द्वारा आयोजित यह आम महोत्सव एक ऐसा संगम है जहां 515 प्रकार के आम प्रदर्शित किए गए हैं। जिन्हें भारत के विभिन्न राज्यों के विभिन्न किसानों द्वारा उगाया गया है। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी ने आम महोत्सव में किसानों को एक अनूठा मंच प्रदान किया है। जहां वे अपने आमों और उनके उत्पादों का प्रदर्शन कर सकते हैं।

गरुड़ रूपी राष्ट्र का विकास महिला एवं पुरुष दोनों के योगदान से ही संभवः शांता अक्का

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका शांता अक्का ने कहा कि संस्थापिका लक्ष्मीबाई केलकर के जीवन से प्रेरणा लेते हुए हमें सीखना चाहिए कि गरुड़ रूपी राष्ट्र का विकास महिला एवं पुरुष दोनों के योगदान से ही संभव हो सकता है। शांता अक्का ने कहा कि मातृशक्ति की संगठित चेतना राष्ट्रनिर्माण का आधार है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन एवं समाज में दिशा देने का कार्य एकमात्र महिला ही अपने नवाचार विचारों से ही कर सकती है, जोकि कमजोरी को सुदृढ़ता में परिवर्तित करने का साहस रखती है। वे राष्ट्र सेविका समिति की संस्थापिका एवं आद्य संचालिका लक्ष्मीबाई केलकर (मौसी जी) के अवतरण दिवस के उपलक्ष में आयोजित समारोह को संबोधित कर रही थीं। दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज में आयोजित इस संकल्प दिवस समारोह में शांता अक्का ने कहा कि कोई भी समाज तभी शक्ति भर सकता है जब परस्पर समन्वित, परस्पर स्वावलंबी व

परस्पर पूरक होगा। परिवार व समाज एक संकल्पित राष्ट्र है। इस मौके में मुख्यातिथि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आयोजन को वैचारिक आत्ममंथन का अवसर कहा। उन्होंने परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास के लिए महिलाओं की भूमिका को अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा कि यह दौर बेटियों को बढ़ाने का समय है। रेखा गुप्ता ने कहा की लक्ष्मी शब्द अपने आप में ही प्रेरक शक्ति है द्ध आज की महिला किसी भी परिस्थिति में न घबराती है और न डरती है। सेविका समिति के आदर्शों पर चलते हुए महिलाएं राष्ट्र के विकास में योगदान दे रही हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. अजय कुमार भागी (अध्यक्ष एनडीटीएफ) दिल्ली विश्वविद्यालय ने कहा कि मौसी जी के जन्मदिवस को संकल्प रूप में मनाते हैं, जिसमें हम भविष्य का एजेंडा निश्चित करते हैं। उन्होंने आपसी जुड़ाव से समाज परिवर्तन की बात की। कार्यक्रम की अध्यक्षा पूजा सूर्या (डायरेक्टर सूर्या रोशनी) ने महिला की तुलना रानी लक्ष्मीबाई, मीरा बाई एवं अहिल्या बाई होलकर से की।

इस अवसर पर राष्ट्र सेविका समिति दिल्ली का इतिहास पर आधारित 'विकास गाथा' पुस्तक एवं 'मेधाविनी' वार्षिक पत्रिका का विमोचन हुआ। कार्यक्रम में प्रांत प्रचारिका विजया शर्मा, प्रांत संचालिका प्रो. (डॉ) चारू कालरा, शरण्या की अध्यक्षा अंजू आहूजा, प्रांत कार्यवाहिका सुनीता भाटिया, प्रांत सह कार्यवाहिका विदुषी, प्रो. (डॉ) निशा राणा मेधाविनी सिंधु सृजन, प्रान्त संयोजिका एवं अन्य वरिष्ठ सेविकाओं की गरिमामय उपस्थिति रही।

वक़्फ़ संशोधन कानून से हेराफेरी कर हड़पी गई प्रॉपर्टी ढूंढ़ने में होगी आसानी : जमाल सिद्दिक़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दिक़ी ने वक़्फ़ संशोधन कानून का स्वागत करते हुए दावा किया कि इससे मुसलमान समुदाय को तेजी से फ़ायदे मिलेंगे। समय के साथ वक्फ भूमि और निधि का उपयोग वास्तविक लाभ में बदलेगा और यही मोदी सरकार का इरादा है। जमाल सिद्दिक़ी ने जारी बयान में कहा कि वक़्फ़ संशोधन कानून शनिवार से लागू हो गया है। इस अधिनियम का उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही एवं महिलाओं-सामुदायिक प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देना है। डिजिटलीकरण से पारदर्शिता आयेगी। सभी वक्फ संपत्तियों को छह महीने के भीतर केंद्रीय पोर्टल पर पंजीकृत करना अनिवार्य है, जिससे गलत प्रविष्टियां रोकने और सूचना का केंद्रीकरण सुनिश्चित होगा। डाटाबेस होने से हेराफेरी कर हड़पी गई प्रॉपर्टी ढूंढ़ने में आसानी होगी। महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित होंग। परिवार-वक्फ में महिला उत्तराधिकारियों का हक़ सुरक्षित होगा और वे वक्फ घोषणा से पहले अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकेंगी। वक्फ संपत्ति अब ऑनलाइन केंद्रीय पोर्टल पर रजिस्टर्ड होने से बेईमानी एवं गलत प्रविष्टियों में कमी आएगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। उन्होंने दावा किया कि वक़्फ़ संपत्तियों को कब्ज़ा करना अब नामुमकिन होगा। डाटा बेस ऑनलाइन होने से जो लोग कई सालों तक गैरकानूनी तरीक़े से मुतवल्ली बने बैठे रहते हैं उन पर अंकुश लगेगा, वक़्फ़ कमेटी में पारदर्शिता आयेगी। मार्किट वैल्यू के हिसाब से किराया फिक्स करने में आसानी होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने रामविलास पासवान को जयंती पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) के संस्थापक रामविलास पासवान को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पासवान के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए उन्हें याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने पोस्ट में लिखा, पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान जी को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। उनका संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय को समर्पित रहा। दलितों, पिछड़ों और वंचितों के अधिकारों के लिए उनके संघर्ष को कभी भुलाया नहीं जा सकता। रामविलास पासवान भारतीय रजनीति के उन नेताओं में गिने जाते हैं, जिन्होंने दशकों तक दलित और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के हितों की आवाज बुलंद की। वे विभिन्न प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री रहे और अपने स्पष्ट विचारों एवं

सामाजिक न्याय के पक्ष में दृढ़ रुख के लिए विख्यात थे। प्रधानमंत्री द्वारा साझा की गई तस्वीर और संदेश को बड़ी संख्या में लोगों ने साझा किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सोशल मीडिया पर कई नेताओं, कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने भी पासवान को याद करते हुए उनके योगदान को सराहा। उल्लेखनीय है कि रामविलास पासवान का जन्म 05 जुलाई 1946 को बिहार के खगड़िया जिले में हुआ था। उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली और समानता, अधिकार और न्याय की पैरवी की। वे संसद में आठ बार निर्वाचित हुए और दलित समुदाय के लिए एक मजबूत राजनीतिक आवाज बने।

भारत बना मेडिकल टूरिज़्म और फार्मा रिसर्च का वैश्विक केंद्र : ओम बिरला

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत की चिकित्सा व्यवस्था आज विश्व में अपनी गुणवत्ता, सुलभता और विश्वसनीयता के कारण नई पहचान बना रही है। वे नई दिल्ली में इनोवेटिव फिजिशियन फोरम (आईपीएफ) द्वारा आयोजित 7वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईपीएफ मेडिकॉन-2025 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। बिरला ने कहा कि यह विज्ञान, तकनीक और नवाचार का युग है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन और नैनो साइंस जैसे क्षेत्रों में हो रहे तीव्र विकास ने न केवल चिकित्सा अनुसंधान बल्कि उपचार की पद्धतियों को भी अधिक सटीक, प्रभावशाली और कुशल बना दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक दौर में चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर नवाचार और शोध को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने भारत की चिकित्सा प्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह न

केवल उच्च गुणवत्ता वाली है, बल्कि किफायती और सभी के लिए सुलभ भी है। बिरला ने कहा, ÷हमारे डॉक्टर अपनी मेहनत और विशेषज्ञता से वैश्विक स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं, इसी का परिणाम है कि आज भारत मेडिकल टूरिज़्म का प्रमुख केंद्र बन चुका है। दुनिया के अनेक देशों से मरीज इलाज के लिए भारत का रुख कर रहे हैं।भारत के फार्मा सेक्टर की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अनुसंधान के प्रति प्रतिबद्धता और नवाचार की भावना ने ही भारत को फार्मास्यूटिकल और बायोमेडिकल रिसर्च के क्षेत्र में अग्रणी बना दिया है। उन्होंने वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और चिकित्सकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आप सबने स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं। आईपीएफ मेडिकॉन-2025 सम्मेलन की सराहना करते हुए बिरला ने आशा जताई कि इन दो दिनों के विचार-विमर्श और अनुभवों के आदान-प्रदान से चिकित्सा अनुसंधान को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे मिलकर एक स्वस्थ, सशक्त और निरोगी भारत के निर्माण की दिशा में कार्य करें।

एनसीआर व आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए सीएक्यूएम ने की हरियाणा-पंजाब के साथ बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए पंजाब और हरियाणा के मुख्य सचिवों के साथ चंडीगढ़ में दो बैठकें कीं। इन बैठकों में दोनों राज्यों में अंतर-विभागीय समन्वय को मजबूत बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए प्रमुख क्षेत्रीय उपायों के कार्यान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी। सीएक्यूएम ने एक बयान में बताया कि हरियाणा के अधिकारियों के साथ बैठक में इस साल धान की पराली जलाने को खत्म करने की तैयारी, ईंट-भट्टों में धान की पराली आधारित बायोमास छर्रों का उपयोग और थर्मल पावर प्लांटों द्वारा निर्धारित उत्सर्जन मानदंडों के अनुपालन जैसे महत्वपूर्ण

क्षेत्रों पर विस्तृत समीक्षा की गई। सीएक्यूएम के अध्यक्ष राजेश वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में आयोग के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। आयोग ने बताया कि राज्यों को का गया है कि दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वाले परिवहन एवं वाणिज्यिक माल वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागू करें। इसके साथ सभी डीजल-संचालित ऑटो-रिक्शा को चरणबद्ध तरीके से हटाने और अंतर-शहर बसों को स्वच्छ ऊर्जा में बदलने की प्रगति पर भी विचार-विमर्श किया गया। समीक्षा बैठकों के अलावा आयोग की टीम ने 04 जुलाई को पंजाब और हरियाणा में धान की पराली के बाहरी उपयोग से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं/प्रतिष्ठानों का दौरा किया। इसमें पेलेटाइजेशन प्लांट, कंप्रेस्ड बायो-गैस प्लांट, बायोगैस प्लांट, 2जी इथेनॉल प्लांट और औद्योगिक बॉयलर शामिल हैं। सीएक्यूएम ने दोनों राज्य सरकारों द्वारा अब तक किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में सुधार को दर्शाने वाले दृश्यमान और मापनीय आंकड़े सुनिश्चित करने के लिए विशेषकर सर्दियों के मौसम के मद्देनजर सभी संबंधित हितधारकों की निरंतर कार्रवाई और साझा प्रतिबद्धता का आग्रह किया।

बंद कमरे में एसी गैस के रिसाव से चार की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिणपुरी इलाके में एक कमरे के घर में जमीन पर सोए चार लोग संदेहास्पद हालात में बेहोश पाए गए। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर चारों को अस्पताल पहुंचाया जहां तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया जबकि एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतकों की पहचान इमरान उर्फ सलमान (30), मोहसिन (20), कपिल (18) तथा हसीब (20) के रूप में हुई है। चारों युवक एसी मैकेनिक का काम करते थे। कमरे से पुलिस को एसी यूनिट तथा एसी गैस के सिलेंडर मिले हैं। चारों युवकों के शरीर अकड़े हुए पाए जाने से प्रारंभिक जांच में एसी गैस के रिसाव को हादसे की वजह बताया जा रहा है। माना जा रहा है गैस रिसाव से दम घुटने की वजह से चारों की मौत हो गई। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत की असल वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगी। साउथ डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि सुबह पुलिस को जीशान नामक युवक ने फोन कर सूचना दी कि दक्षिणपुरी में किराए पर रहने वाला उसका ममेरा भाई फोन नहीं उठा रहा है। दरवाजा भी अंदर से बंद है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच किसी तरह दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश किया। प्रथम तल पर स्थित एक कमरे के घर में चार युवक बेहोशी हालत में जमीन पर मिले। उन्हें पहले अंबेडकर अस्पताल ले जाया गया वहां से सफदरजंग अस्पताल व बाद में एम्स ट्रॉमा सेंटर लाया गया। जांच के दौरान तीन युवकों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

बढ़ती त्रासदियों के बीच तत्काल सार्वजनिक सुरक्षा सुधारों का आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के मुख्यालय में आयोजित मासिक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए जमाअत के उपाध्यक्ष प्रो. सलीम इंजीनियर ने हाल की त्रासदियों पर गहरा दुख और गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में विनाशकारी केमिकल फैक्ट्री विस्फोट, पुरी में रथयात्रा के दौरान हुई हृदय विदारक भगदड़ और अहमदाबाद में हुई दुखद हवाई जहाज दुर्घटना ने हमें झकझोर कर रख दिया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रो. सलीम इंजीनियर ने कहा कि कुछ ही हफ्तों के भीतर अहमदाबाद, पुरी और तेलंगाना में तीन दुखद घटनाएं घटीं। यह सार्वजनिक सुरक्षा जोखिमों के एक बड़े पैटर्न की ओर इशारा करते हैं जिस पर तत्काल विचार करने की आवश्यकता है। हालांकि, हम राज्य और केंद्रीय प्राधिकारियों द्वारा मुआवजा और जांच सहित त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना करते हैं, लेकिन मुआवजा और जांच प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण होते हुए भी उन गहरी संरचनात्मक और संस्थागत कमजोरियों को दूर नहीं करते हैं, जो ऐसी त्रासदियों की पुनरावृत्ति को संभव बनाती हैं। 30 जून, 2025 को तेलंगाना में सिगाची इंडस्ट्रीज की फार्मास्युटिकल इकाई में हुए भीषण विस्फोट में 40 श्रमिकों की मौत हो गई

और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चलता है कि इसमें संभवतः संरचनात्मक विफलताएं, पुरानी मशीनरी और गंभीर सुरक्षा खामियां हैं। एक दिन पहले ही पुरी के गुंडिचा मंदिर के पास भगदड़ में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी और 50 से अधिक घायल हो गए थे, जिससे प्रमुख धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन की गंभीर कमी उजागर हुई थी। अहमदाबाद में हाल ही में हुई हवाई दुर्घटना ने नागरिक विमानन की निगरानी और आपातकालीन तैयारियों की कमजोरियों को दर्शाया है। जमाअत के उपाध्यक्ष ने कहा कि पिछले छह महीनों में भारत ने औद्योगिक आग, नागरिक बुनियादी ढांचे के ढहने और सार्वजनिक समारोहों में भगदड़ देखी है, जिससे कार्यस्थलों, त्योहारों और रोजमर्रा के वातावरण में सुरक्षा के बारे में जनता की चिंताएं बढ़ रही हैं। रचनात्मक सहभागिता और राष्ट्रीय हित की भावना के मद्देनज़र जमाअत-ए-इस्लामी हिंद कुछ ठोस सुझाव प्रस्तुत किया है।

दिल्ली जल बोर्ड अब खुद कर सकेगा परियोजनाओं को स्वीकृत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने जल बोर्ड को पहली बार निर्णय लेने और काम पूरा करने की ताकत दी है। जल बोर्ड को अब करोड़ों रुपये की परियोजनाओं के लिए कैबिनेट की स्वीकृति का इंतजार नहीं करना होगा। यह जानकारी सीएओ दिल्ली ने एक्स पर साझा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब दिल्ली जल बोर्ड यमुना की सफाई, नालों के उपचार और पेयजल व्यवस्था से जुड़ी तमाम योजनाएं स्वयं स्वीकृत करेगा और जमीन पर उतारेगा। उसे करोड़ों रुपये की परियोजनाओं के लिए बोर्ड को कैबिनेट की स्वीकृति का इंतजार नहीं करना होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड के वित्तीय अधिकार बढ़ाने का यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि शासन को तेज, उत्तरदायी और परिणामोन्मुखी बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इससे हर स्तर पर निर्णय लेने की क्षमता बढ़ेगी, कार्यों में देरी घटेगी और व्यवस्था अधिक पारदर्शी व जवाबदेह बनेगी। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन को दिल्ली में जमीन पर उतारने की एक मजबूत शुरुआत है। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दिल्ली जल बोर्ड को स्वायत्तता और वित्तीय अधिकार देने का निर्णय प्रशासनिक नहीं, बल्कि जनसेवा की दिशा में ऐतिहासिक सुधार है। अब यमुना की सफाई, नालों के उपचार और जल आपूर्ति की योजनाएं बिना देरी जमीन पर उतरेंगी।

डीयू की अकादमिक परिषद की बैठक में अहम फैसले, 'सिख शहादत' पर नया कोर्स, रेडियो जॉकिंग भी स्किल कोर्स में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की अकादमिक परिषद (एसी) की 1023वीं बैठक कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक की शुरुआत डीयू के पूर्व प्रति-कुलपति एवं कार्यवाहक कुलपति स्वर्गीय प्रो. पीसी जोशी को श्रद्धांजलि देकर की गई और उनके योगदान को याद करते हुए शोक प्रस्ताव पारित किया गया।

बैठक में जीरो ऑवर के दौरान एक सदस्य द्वारा उठाए गए पेपर चेकिंग भुगतान की देरी के मुद्दे पर कुलपति ने सभी विभागों को लंबित बिल शीघ्र सबमिट करने और परीक्षा शाखा व वित्त विभाग को तुरंत भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को समय पर भुगतान मिलना चाहिए। बैठक में डीयू के कॉलेजों में भारतीय इतिहास में सिख शहादत (1500-1765) विषय पर नया सामान्य वैकल्पिक कोर्स पढ़ाने की स्वीकृति दी गई। यह कोर्स डीयू के स्वतंत्रता एवं विभाजन अध्ययन केंद्र (सीआईपीएस) द्वारा प्रस्तुत किया गया है। कुलपति ने इस कोर्स को ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए इसकी सराहना की इसके अतिरिक्त, स्किल एन्हांसमेंट कोर्स

(एसईसी) के तहत रेडियो जॉकिंग सहित आठ नए पाठ्यक्रमों को भी स्वीकृति दी गई। विद्यार्थियों को इसमें आवाज़ प्रशिक्षण, स्टूडियो संचालन और लाइव शो होस्टिंग जैसी व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। अकादमिक परिषद की बैठक में यूजी पाठ्यक्रमों के चौथे वर्ष में शोध प्रबंध, शैक्षणिक परियोजना या उद्यमिता में से किसी एक को चुनने का विकल्प देने पर सहमति बनी। इसके लिए पर्यवेक्षण और मूल्यांकन संबंधी मसौदा दिशा-निर्देश भी पारित किए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि शैक्षणिक सत्र 2016-17 में दाखिला लेने वाले वे छात्र जो किसी कारणवश निर्धारित अवधि में डिग्री पूरी नहीं कर सके, उन्हें बैकलॉग पूरा करने के लिए दो वर्ष की अतिरिक्त अवधि दी जा सकती है। यह निर्णय सीबीसीएस से यूजीसीएफ में हुए पाठ्यक्रम परिवर्तन के कारण उत्पन्न समस्याओं को देखते हुए लिया गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातक प्रवेश 2025-26 के लिए अलॉटमेंट-कम-एडमिशन शेड्यूल जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कॉमन सीट अलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस -यूजी) के द्वितीय चरण की तिथि घोषित कर दी है। विश्वविद्यालय के अनुसार, सीयूईटी-यूजी 2025 के परिणाम घोषित हो चुके हैं और अब मंगलवार, 8 जुलाई से सीएसएएस का फेज-2 शुरू होगा।दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने बताया कि सीएसएएस फेज-1 और फेज-2 दोनों 14 जुलाई रात 11:59 बजे तक खुले रहेंगे। इस दौरान पहले चरण में सफलतापूर्वक रजिस्ट्रेशन करा चुके छात्र अपने पसंदीदा कोर्स और कॉलेज की प्राथमिकताएं चुन सकते हैं। जिन छात्रों ने अभी तक रजिस्ट्रेशन नहीं किया है, वे भी इस अवधि में सीएसएएस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। प्राथमिकताओं को अंतिम समय तक ऑटो-लॉक कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय ने छात्रों को एक बार की सुधार सुविधा भी प्रदान की है। छह से 11 जुलाई 2025 रात 11:59 बजे तक छात्र अपने आवेदन फॉर्म में सुधार कर सकते हैं। यह सुविधा केवल उन्हीं छात्रों को उपलब्ध है जिन्होंने सीएसएएस फेज-1 पूरा कर लिया है। फॉर्म एक बार सबमिट करने के बाद दोबारा नहीं खोलेगा, अतः सावधानीपूर्वक बदलाव करें। दाखिला प्रक्रिया की शुरुआत 6 जुलाई से होगी, जब पहले चरण में पंजीकृत उम्मीदवारों के लिए आवेदन पत्र में सुधार (संशोधन) करने की सुविधा दी जाएगी। यह सुधार विंडो 11 जुलाई की रात 11:59 बजे तक खुली रहेगी। इसके बाद, आठ से 14 जुलाई की रात 11:59 बजे तक, उम्मीदवारों को अपनी पसंद के पाठ्यक्रम और कॉलेज चुनने होंगे। 14 जुलाई को रात 11:59 बजे सभी उम्मीदवारों की भरी गई प्राथमिकताएं स्वतः लॉक हो जाएंगी। 15 जुलाई को शाम 5 बजे, विश्वविद्यालय द्वारा अनुमानित रैंक (सिम्युलेटेड रैंक) जारी की जाएगी, ताकि विद्यार्थी अपने चुने गए विकल्पों की स्थिति को समझ सकें। उसी दिन से 16 जुलाई की रात 11:59 बजे तक, उम्मीदवार अपनी प्राथमिकताओं को बदल सकते हैं। 19 जुलाई को शाम 5 बजे पहली प्रवेश सूची जारी होगी। इसके बाद, उम्मीदवारों को 21 जुलाई की शाम 4:59 बजे तक अपनी सीट को स्वीकार करना होगा।

देहरादून-बदरीनाथ राजमार्ग पर ट्राई का ड्राइव टेस्ट, जियो नेटवर्क अव्वल

एजेंसी

देहरादून। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) की ओर से कराए गए स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) परिणामों के अनुसार रिलायंस जियो नेटवर्क ने देहरादून-बदरीनाथ राजमार्ग पर शानदार प्रदर्शन किया है। इस राजमार्ग का अधिकतर हिस्सा उत्तराखंड के चार धाम यात्रा मार्ग में शामिल है। रिलायंस जियो की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस राजमार्ग पर 325 किलोमीटर में 05 मई से 21 मई के बीच इस राजमार्ग पर दूरसंचार नेटवर्क की कार्यकुशलता का परीक्षण किया गया और इसमें कॉल कनेक्ट रेट, डेटा डाउनलोड स्पीड, कॉल ड्रॉप रेट जैसे सभी मानदंडों पर जियो अव्वल रहा। विज्ञप्ति के अनुसार इस परीक्षण में देहरादून से बदरीनाथ राजमार्ग के साथ मुरादाबाद शहर को भी परीक्षण में शामिल किया गया था, दूरसंचार के नजरिए से दोनों क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र का हिस्सा भी शामिल किया गया था। परीक्षण में जियो नेटवर्क पर कॉल कनेक्ट होने की सफलता दर 98.77 प्रतिशत रही, यानी जितनी भी जियो नेटवर्क से कॉल की गयी सभी कनेक्ट हुईं। जबकि अन्य दूरसंचार कंपनियों के नेटवर्क 98 प्रतिशत के मानक को पूरा करने में नाकामयाब रहे। परीक्षण में एयरटेल की कॉल कनेक्ट होने की सफलता दर 96.34 प्रतिशत, तो वोडाफोन आइडिया की 92.93 प्रतिशत रही। बीएसएनएल 78.44 प्रतिशत सफलता दर के साथ चौथे नंबर पर रही।

टाटा पावर रिन्यूएबल ने पहली तिमाही में लगाये 45,589 रूफटॉप सोलर प्लांट, वृद्धि 416 प्रतिशत

नई दिल्ली। टाटा पावर कंपनी लिमिटेड (टाटा पावर) की सहायक कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 416 प्रतिशत की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए 45,589 रूफटॉप सौर ऊर्जा प्रणालियों की स्थापना की। देश की एक नंबर कंपनी होने का दावा करने वाली टीपीआरईएल ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। पिछले साल कंपनी ने इसी अवधि में 8,838 रुफटॉप सौर इंस्टॉलेशन लगाये थे। इस तरह कंपनी ने इस काम में साल-दर-साल 416 प्रतिशत की वृद्धि के साथ चमत्कारिक प्रदर्शन किया है। वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के अंत तक टीपीआरईएल ने देश भर में कुल 2,04,443 रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन स्थापित किये थे, जिसकी कुल मिलाकर स्थापित क्षमता 3400 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन से अधिक बतायी गयी है। टीपीआरईएल 400 से अधिक शहरों में फैले 604 चैनल भागीदारों के एक मजबूत नेटवर्क के माध्यम से काम कर रही है। इसके साथ उसने 560 शहरों में 240 अधिकृत सेवा भागीदारों को जोड़ा है।

पाकिस्तान के भविष्य पर गहरा संकट:Microsoft ने 25 साल बाद समेटा पूरा कामकाज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के भविष्य पर एक बड़ा संकट गहराता दिख रहा है। दिग्गज अमेरिकी टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने 25 साल बाद पाकिस्तान से अपना पूरा कामकाज समेट लिया है। इस कदम को पाकिस्तान की आर्थिक अस्थिरता, लगातार बदलती राजनीतिक परिस्थितियाँ और बिगड़ते कारोबारी माहौल का सीधा परिणाम माना जा रहा है। माइक्रोसॉफ्ट पाकिस्तान के संस्थापक प्रमुख जव्वाद रहमान ने लिंक्डइन पर इस खबर की पुष्टि करते हुए इसे एक युग का अंत और देश द्वारा बनाए गए अस्थिर वातावरण का गंभीर संकेत बताया है। माइक्रोसॉफ्ट ने जून 2000 में पाकिस्तान में अपने ऑपरेशंस शुरू किए थे, लेकिन पिछले कुछ सालों से कंपनी धीरे-धीरे अपनी मौजूदगी कम कर रही थी। हालांकि माइक्रोसॉफ्ट ने औपचारिक रूप से कोई सार्वजनिक घोषणा नहीं की है, लेकिन कंपनी के आखिरी बचे कर्मचारियों को सूचित कर दिया गया है कि ऑपरेशंस पूरी तरह बंद कर दिए गए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अब पाकिस्तान में केवल एक संपर्क कार्यालय बचा है जिसमें लगभग पांच कर्मचारी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि माइक्रोसॉफ्ट का यह फैसला पाकिस्तान की अस्थिर अर्थव्यवस्था, बार-बार सरकार में बदलाव, उच्च कर और टेक्नोलॉजी के आयात में आने वाली कठिनाइयों से जुड़ा है।

भारतीय शेयर मार्केट में अमेरिकी कंपनी का बड़ा 'खेल': रिटेल निवेशकों का डूबा पैसा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक अमेरिकी हेज फंड पर शेयर मार्केट में हेरफेर (मैनिपुलेशन) का आरोप लगा है। इस कथित 'खेल' ने कई खुदरा निवेशकों (रिटेलर्स) का पैसा डुबो दिया है, जिससे भारतीय नियामक संस्थाओं की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। यह मामला तब सामने आया जब कुछ छोटे और मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में अचानक और असामान्य रूप से तेजी देखी गई, जिसके बाद वे धड़ाम से गिर गए, जिससे हजारों छोटे निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। सूत्रों के अनुसार, आरोप है कि अमेरिकी कंपनी ने भारतीय शेयर बाजार में एक सोची-समझी 'पंप एंड डंप' स्कीम चलाई। इस स्कीम के तहत, पहले कुछ चुनिंदा शेयरों में बड़ी मात्रा में निवेश कर उनकी कीमतें कृत्रिम रूप से बढ़ाई गईं ('पंप' किया गया)। छोटे निवेशक, जो तेजी से बढ़ते शेयरों की ओर आकर्षित होते हैं, उन्होंने भी इन शेयरों में पैसा लगाना शुरू कर दिया।

सेफेक्स केमिकल्स ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। विशेष रसायन कंपनी सेफेक्स केमिकल्स (इंडिया) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी के शेयरों को बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के अनुसार सेफेक्स केमिकल्स (इंडिया) का 1 रुपये अंकित मूल्य वाला ये आईपीओ 450 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी शेयरों के नए निर्गम और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 3.57 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) है। प्रमोटर्स, निवेशकों सरकोलाइन, एंकर पार्टनर्स और सेज इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट के साथ मिलकर ओएफएस में शेयरधारकों की हिस्सेदारी बेचेंगे। इस प्रस्ताव

में कर्मचारी आरक्षण भाग में पात्र कर्मचारियों द्वारा एक सदस्यता आरक्षण भी शामिल है। सेफेक्स केमिकल्स (इंडिया) की योजना इस निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कर्ज भुगतान और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए खर्च करने की है। सेफेक्स केमिकल्स में प्रमोटरों की हिस्सेदारी 54.3 फीसदी है और क्रिसकैपिटल अपनी इकाइयों सरकोलाइन, एंकर पार्टनर्स और सेज इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट के जरिए 44.80 फीसदी शेयरधारिता का मालिक है। एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड इसके बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं और केएफआईएन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इसका रजिस्ट्रार है। उल्लेखनीय है कि सेफेक्स केमिकल्स (इंडिया) कंपनी फसल सुरक्षा उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करके किसानों को फसल उत्पादकता बढ़ाने में मदद करती है। 31 मार्च, 2025 तक कंपनी का परिचालन 22 देशों में फैला हुआ था। इसकी भारत में सात और ब्रिटेन में एक विनिर्माण इकाई है।

भारत समय सीमा के दवाब में नहीं, राष्ट्र हित में करता है बातः पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत किसी समय-सीमा के दबाव में नहीं रहता और हमेशा मजबूती से अपनी बात रखता है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के कार्यकाल में कांग्रेस ने ऐसे समझौतों पर बातचीत की और उन्हें मंजूरी दी जो देशहित में नहीं थे। पीयूष गोयल ने यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा, भारत समय सीमा के तहत बातचीत नहीं करता। हम राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए वार्ता करते हैं। दुनिया भर में हमारे सभी जुड़ावों में राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही। गोयल ने संवाददाताओं के पूछे गए सवाल पर कहा कि यह यूपीए शासन वाला भारत नहीं है, जो राष्ट्र हित के बिना वार्ता के लिए भीख मांगता था। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी को कोई गंभीरता से नहीं लेता। उन्होंने भारत के लोगों का विश्वास खो दिया है, लोगों ने बार-बार कांग्रेस को नकार दिया। आज तक वे देश के विकास के लिए सकारात्मक एजेंडा नहीं बना पाए हैं। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी की सरकार में भारत ने मॉरिशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और चार देशों के ईएफटीए समूह (स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन) और हाल ही में ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और चार देशों के यूरोपीय ब्लॉक ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता अगले कुछ महीनों में लागू होने की संभावना है।

नई प्रौद्योगिकियां भारत की विकास गाथा को परिभाषित करेंगी : पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि नई प्रौद्योगिकियां आने वाले वर्षों में भारत की विकास गाथाको परिभाषित करेंगी। भारत अब एक ऐसा देश बन रहा है, जो नौकरियां मांगने वाला नहीं, बल्कि देने वाला है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने बेंगलुरु में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) एलुमनाई एसोसिएशन के संगम 2025 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, आपका विज्ञान, आपकी तकनीक, इस जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम, आरएंडडी और इनोवेशन के साथ मिलकर भविष्य की भारत की विकास कहानी को आकार देगी। गोयल ने कहा कि भारत नौकरी चाहने वाले देश से नौकरी देने वाले देश में तब्दील हो रहा है। बेंगलुरु में बड़े नाम से मौजूद स्टार्टअप इकोसिस्टम हमारे मुकुट का एक रत्न है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार प्रौद्योगिकी उद्योग,

स्टार्टअप इकोसिस्टम का पूरा समर्थन करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे मंत्रालय ने अनुसंधान और विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये प्रदान करने की योजना को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि हम 2 लाख करोड़ रुपये की रोजगार सृजन प्रोत्साहन योजना और कौशल विकास, इंटर्नशिप कार्यक्रम के अलावा अन्य कार्यक्रम लेकर आए हैं...ये स्टार्टअप, तकनीक और विनिर्माण के पारिस्थितिकी तंत्र को समर्थन देने के लिए प्रोत्साहन देंगे। उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए तैयार भारत बनाना मोदी सरकार की विभिन्न नीतिगत पहलों के केंद्र में है, जो पिछले एक दशक में देश में नवाचार और विकास को चला रहा है। गोयल ने अत्याधुनिक अनुसंधान, उद्योग सहयोग, और पोषण प्रतिभा पर अपने गहरे ध्यान के लिए संस्थान की सराहना की, जो वैश्विक प्रौद्योगिकी नेतृत्व में भारत की मजबूत स्थिति में योगदान करने के लिए जारी है।

व्यापार गतिरोध पर राहुल की टिप्पणी कूटनीतिक अपरिपक्वता का परिचायक : खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद और कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने राहुल गांधी की हालिया टिप्पणी पर पलटवार किया है। खंडेलवाल ने कहा कि राहुल की टिप्पणी, पीयूष गोयल चाहे जितना भी सीना ठोक लें, याद रखिए मोदी ट्रंप के टैरिफ अल्टीमेटम के आगे चुपचाप झुक जाएंगे। न केवल अशोभनीय है, बल्कि ये अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और भारत की बदलती वैश्विक स्थिति की सतही समझ को भी दर्शाती है।

खंडेलवाल ने कहा कि दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों भारत-अमेरिका के बीच जटिल व्यापार वार्ताओं को इस तरह की हल्की और व्यंग्यात्मक भविष्यवाणी में समेट देना एक जिम्मेदार राष्ट्रीय नेता को शोभा नहीं देता। विदेश नीति और व्यापार समझौते गंभीरता, रणनीतिक सोच और राष्ट्रीय एकता

की मांग करते हैं, न कि तुच्छ राजनीतिक लाभ के लिए की गई टिप्पणियों की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अमेरिका, चीन या वैश्विक व्यापार संस्थाओं के साथ बातचीत में अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए आत्मविश्वास और दृढ़ता का प्रदर्शन किया है। यह कहना कि भारत चुपचाप झुक जाएगा, उन भारतीय वार्ताकारों के अथक प्रयासों का

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अमेरिका, चीन या वैश्विक व्यापार संस्थाओं के साथ बातचीत में अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए आत्मविश्वास और दृढ़ता का प्रदर्शन किया है।

अपमान है, जो कूटनीति और आत्मनिर्भरता के बीच संतुलन बनाकर काम करते हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री गोयल ने राहुल गांधी की ओर से भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर दिए गए बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत समय-सीमा के तहत बातचीत नहीं करता, बल्कि हम राष्ट्रहितों को ध्यान में रखते हुए वार्ता करते हैं।

तिमाही नतीजों, भारत-अमेरिका ट्रेड डील और एफआईआई डेटा से अगले हफ्ते तय होगा बाजार का रुझान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के नतीजों, भारत-अमेरिका ट्रेड डील, मानसून की चाल और एफआईआई के डेटा से शेयर बाजार की चाल प्रभावित होगी। अगले हफ्ते से अप्रैल-जून तिमाही के नतीजों की शुरुआत हो जाएगी। इस दौरान 5पैसा, आनंदराठी, टाटा एलेक्सी, टीसीएस और डीमार्ट जैसी कंपनियों की ओर से नतीजे जारी किए जाएंगे।भारत और अमेरिका में बातचीत के बाद भी अब तक ट्रेड डील को लेकर कोई स्पष्टता नहीं आई है। ऐसे में अगर इस ट्रेड डील पर कोई अपटेड आता है तो इससे शेयर बाजार की चाल प्रभावित होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दी गई रेसिप्रोकल टैरिफ की डेडलाइन 9 जुलाई को समाप्त हो रही है।इसके अतिरिक्त

मानसून को लेकर से अपडेट भी आने वाले हफ्ते में बाजार के लिए अहम होगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले छह से सात दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में मानसून सक्रिय रहने की संभावना है।

भारतीय शेयर बाजार के लिए 30 जून से लेकर 4 जुलाई का कारोबारी हफ्ता उतार-चढ़ाव भरा रहा। इस दौरान सेंसेक्स 626.01 अंक या 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83,432.89 और निफ्टी 176.80 अंक या 0.69 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,461.00 पर बंद हुआ। समीक्षा अवधि में लार्जकैप इंडेक्स में बिकवाली रही, लेकिन मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 292.60 अंक या 0.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,677.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 56.25 अंक या 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,033.05 पर था।

पिछले हफ्ते पीएसयू बैंक, फार्मा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस इंडेक्स ने बाजार को ऊपर खींचने का काम किया। रियल्टी, फाइनेंशियल सर्विसेज और प्राइवेट बैंक इंडेक्स में गिरावट देखने को मिली। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बीते हफ्ते शुद्ध विक्रेता थे। इस दौरान उन्होंने 6,604 करोड़ रुपए की बिकवाली की, जबकि इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 7,609 करोड़ रुपए का निवेश किया। बजाज ब्रोकिंग रिसर्च के अनुसार, अगले हफ्ते अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कई अहम डेटा आएंगे, जिनसे वैश्विक के साथ घरेलू बाजार की चाल प्रभावित होगी। इसमें चीन के महंगाई के आंकड़े और अमेरिका में जॉबलेस क्लेम जैसे डेटा शामिल हैं।

टाटा मोटर्स ने शुरू किया नये हैरियर.ईवी का उत्पादन, डिलीवरी इसी माह से

एजेंसी

मुंबई। भारत में इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र की अग्रणी विनिर्माता टाटा मोटर्स ने कहा कि उसने अपने नये स्मार्ट एसयूवी हैरियर.ईवी का उत्पादन शुरू कर दिया है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि यह वाहन टाटा मोटर्स के अत्याधुनिक पुणे प्लांट की उत्पादन लाइन से निकलना शुरू हो गया है और इसे डीलरों तक पहुंचाने की तैयारी है। कंपनी ने कहा है कि इस हैरियर ईवी की बुकिंग की रफ्तार तेज है और बाजार में इसको लेकर जबरदस्त उत्साह दिख रहा है। कंपनी ग्राहकों को इसकी डिलीवरी इसी माह शुरू कर देगी। हैरियर.ईवी दो ड्राइव कॉन्फ़िगरेशन - क्वाड व्हील ड्राइव (क्यूडब्ल्यूडी) और रियर व्हील ड्राइव (आरडब्ल्यूडी) के साथ चार रंगों नैनीताल नॉकटर्न,

एम्पावर्ड ऑक्साइड, प्रिस्टिन व्हाइट और प्योर ग्रे में उपलब्ध होगी। इसके अलावा इसमें स्टील्थ एडिशन भी शामिल है ।

वैश्विक स्तर पर दिख रही भारतीय अर्थव्यवस्था की धाक, उच्च विकास दर के साथ तेजी से बढ़ रहा निर्यात

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था की विकास दर वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत रही है, जो दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था में सबसे अधिक है। साथ ही, इस दौरान देश का निर्यात भी सार्वकालिक उच्चतम स्तर 824.9 बिलियन डॉलर पर रहा है।

यह आंकड़े दिखाते हैं कि देश की अर्थव्यवस्था आत्मविश्वास के साथ लगातार बढ़ रही है।भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में देश की विकास दर इसी आंकड़े के आसपास रहने की उम्मीद है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, भारत की विकास दर इस साल 6.3 प्रतिशत और अगले साल 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है, जबकि भारतीय उद्योग परिसंघ का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में देश की विकास दर 6.40 से 6.70 प्रतिशत के बीच रह सकती

है।अर्थव्यवस्था के अच्छे प्रदर्शन के कारण देश के निर्यात में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। भारत का कुल निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में 824.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 778.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 6.01 प्रतिशत अधिक है। इससे पहले वित्त वर्ष 2013-14 में देश का निर्यात केवल 466.22 बिलियन डॉलर था, जो बीते एक दशक में देश के निर्यात में निरंतर प्रगति को दिखाता है। एक तरफ देश तेजी से आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है। वहीं, महंगाई दर भी न्यूनतम स्तरों पर बनी हुई है। मई 2025 में खुदरा महंगाई दर 2.82 प्रतिशत पर रही थी, जो कि फरवरी 2019 के बाद खुदरा महंगाई का सबसे निचला स्तर है।इसके अतिरिक्त, भारतीय अर्थव्यवस्था के अच्छे प्रदर्शन के कारण पूंजीगत बाजारों पर भी निवेशकों का भरोसा तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय शेयर बाजार में खुदरा निवेशकों की संख्या दिसंबर 2024 तक बढ़कर 13.2 करोड़ हो गई है, जबकि 2019-20 में यह आंकड़ा 4.9 करोड़ पर था। यह बढ़ोतरी इक्विटी बाजारों में बढ़ती सार्वजनिक रुचि और देश की दीर्घकालिक क्षमता में विश्वास को दर्शाती है। अब अधिकतर लोग शेयर बाजार को केवल बड़ी कंपनियों के लिए ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों के लिए भी संपत्ति बनाने के एक जरिए के तौर पर देखते हैं।

पर्यटन, कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में बढ़ेगी उप्र-जापान की साझेदारी

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश और जापान के बीच तकनीकी सहयोग, निवेश, युवाओं के कौशल विकास और पर्यटन जैसे चार प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी होगी।जापान के राजदूत ओनो केइची ने शाम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से यहां शिष्टाचार भेंट की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने इन क्षेत्रों में व्यापक सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जतायी। जापान के राजदूत ने गत आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश में हुये सकारात्मक परिवर्तन और विकास कार्यों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जापानी कंपनियां उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए एक भरोसेमंद और सकारात्मक वातावरण वाला राज्य मानती हैं। बैठक के दौरान यह तय किया गया कि उत्तर प्रदेश सरकार का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल जल्द ही जापान का दौरा करेगा। यह दौरा ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रॉनिक्स और विशेष रूप से सेमीकंडक्टर तकनीक के क्षेत्र में साझेदारी के अवसरों को तलाशने के लिए होगा। साथ ही, जुलाई के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने वाले विश्व एक्सपो, ओसाका में भी उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन एनर्जी और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में जापानी निवेश और तकनीकी सहयोग का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मेट्रो परियोजनाओं के अलावा शहरी गतिशीलता के अन्य आधुनिक मॉडल को भी अपनाने के लिए तैयार है। बैठक में उत्तर प्रदेश के युवाओं के कौशल को विकसित करने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने को लेकर भी चर्चा हुई। इसमें विशेष रूप से जापान में रोजगार के अवसरों को ध्यान में रखते हुए, मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि राज्य सरकार जापान के साथ मिलकर युवाओं को प्रशिक्षित करेगी, ताकि वे वहां नौकरी के योग्य बन सकें। पर्यटन के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच गहरा सहयोग स्थापित करने को लेकर सहमति बनी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत का आध्यात्मिक केंद्र है, जहां हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म और जैन धर्म से जुड़े अनेक ऐतिहासिक स्थल हैं।

रुपये में नरमी, बाजार को अमेरिका के साथ व्यापार समझौता वार्ता का इंतजार

एजेंसी

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में हल्के सुधार तथा वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बावजूद अंतर बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के समक्ष दबाव में रहा और पिछले दिन की तुलना में सात पैसे टूट कर 85.3886 पर बंद हुआ। गुरुवार को बाजार 85.31 पर बंद हुआ था। फाइनेंशियल बेंच मार्क इंडिया के मुताबिक आज रुपये-डॉलर दर 85.3886 के स्तर पर बंद रही। ब्रिटेन का पौंड 116.7769 रुपये और यूरो 100.5974 रुपये के भाव बोला गया।

जापानी येन प्रति सौ रूप में 59.1800 के स्तर पर था। सप्ताह के दौरान रुपया अमेरिका मुद्रा के मुकाबले रूपया घट बढ़ के बीच कुल मिला कर करीब एक प्रतिशत नरम हुआ। बाजार विश्लेषकों के अनुसार व्यापारियों को अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के नतीजों की प्रतीक्षा है। व्यापार वार्ता का परिणाम सकारात्मक रहा तो रुपया वर्तमान स्तर पर मिल रहे प्रतिरोध को तोड़ कर आने वाले समय में मजबूत हो सकता है। स्थानीय शेयर बाजार दो दिन की गिरावट के बाद आज हल्के सुधार पर बंद हुए। न्यूयार्क बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 60 सेंट प्रति बैरल नरम हो कर 68.20 डॉलर के स्तर पर चल रहा था।

सरकार ने बीआईएस-प्रमाणित हेलमेट के इस्तेमाल का आग्रह किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय मानक ब्यूरो-बीआईएस ने प्रमाणन के बिना हेलमेट के निर्माण और बिक्री पर सख्त कार्रवाई करते हुए उपभोक्ताओं से सिर्फ बीआईएस-प्रमाणित हेलमेट का इस्तेमाल करने का आग्रह किया है।

सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग तथा बीआईएस ने कहा है कि उसके लिए लोगों की सुरक्षा सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस समय सड़कों पर 21 करोड़ से ज़्यादा दोपहिया वाहन हैं और मोटर वाहन अधिनियम 1988 के तहत दोपहिया वाहन चालक को हेलमेट पहनना अनिवार्य है लेकिन हेलमेट की महत्ता उसकी गुणवत्ता पर निर्भर करती है। बीआईएस के अनुसार लोगों की सुरक्षा के लिए उसने घटिया हेलमेट के खिलाफ अभियान भी चलाया है और इसके तहत उसने वित्त वर्ष 2024-25 में 500 से अधिक हेलमेटों का परीक्षण करते हुए 30 से अधिक तलाशी और जब्ती अभियान चलाए हैं। उसक यह भी कहना है कि घटिया या निम्न गुणवत्ता के हेलमेट सुरक्षा से समझौता करते हैं इसलिए उपभोक्ता को सुरक्षा देने में विफल रहते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए, 2021 से एक गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू किया गया जिसके तहत सभी दोपहिया सवारों के लिए बीआईएस मानकों के तहत प्रमाणित आईएसआई-चिह्नित हेलमेट पहनना अनिवार्य है।

बीआईएस का कहना है कि गुणवत्ता मानकों को लागू करने के लिए वह नियमित रूप से कारखाने और बाजार की निगरानी करता है। पिछले वित्तीय वर्ष में, 500 से अधिक हेलमेट नमूनों का परीक्षण किया गया और बीआईएस मानक चिह्न के दुरुपयोग के लिए 30 से अधिक तलाशी और जब्ती अभियान चलाए गए। दिल्ली में एक अभियान में ऐसे नौ निर्माताओं से 2,500 से अधिक गैर-अनुपालन वाले हेलमेट जब्त किए गए

जिनके लाइसेंस समाप्त हो चुके थे या रद्द कर दिए गए थे। उसका कहना था कि सरकार इस अभियान में सख्त है इसलिए 17 खुदरा और सड़क किनारे के स्थानों पर इसी तरह की कार्रवाई के परिणामस्वरूप लगभग 500 घटिया हेलमेट जब्त किए गए, जिन पर कानूनी कार्यवाही चल रही है। देशभर में सड़क सुरक्षा बढ़ाने और उपभोक्ताओं को घटिया हेलमेट से बचाने के लिए उपभोक्ता मामलों के विभाग ने जिला अधिकारियों को पत्र लिखकर देश भर में अभियान शुरू करने के लिए कहा था। विभाग ने जिला अधिकारियों से इस मामले में व्यक्तिगत रुचि लेने और गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के प्रवर्तन को सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू करने का आग्रह किया था। इसके परिणाम उत्साहजनक रहे खासकर दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में और यह अभियान अन्य क्षेत्रों में भी फैल रहा है। सड़क सुरक्षा के लिए हेलमेट अनिवार्यरूप से पहनने के लिए बीआईएस जनजागरूकता अभियान भी चला रहा है। इसके तहत इस साल की शुरुआत में चेन्नई में आईएसआई-मार्क वाले हेलमेट वितरित करने का सफल रोड शो भी आयोजित किया और स्थानीय यातायात अधिकारियों के साथ साझेदारी में सुरक्षा नियमों के पालन को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान को विभिन्न मीडिया चैनलों, सोशल मीडिया आउटरीच और नागरिक समाज के सहयोग से आगे बढ़ाया गया है, जिससे आईएसआई-मार्क वाले सुरक्षात्मक हेलमेट के माध्यम से सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा रही है। उपभोक्ता मामलों के विभाग का कहना है कि उपभोक्ता संरक्षण और सड़क सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्ध है और इसके तहत बाजार से घटिया गुणवत्ता वाले हेलमेट हटाकर लोगों को सुरक्षा पहुंचाकर उच्च गुणवत्ता युक्त उत्पादों की बिक्री सुनिश्चित करना है।

नागिन एक्ट्रेस

अनीता हसनंदानी

के क्रिप्टिक पोस्ट ने बढ़ाई फैंस के दिलों की धड़कन, यूजर्स बोले- बस सेफ रहना

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। अनीता हसनंदानी छोटे पर्दे की बड़ी अदाकारा हैं। ये हैं मोहब्बतें से लेकर एकता कपूर के नागिन सीरियल तक वैम्प बनकर भी उन्होंने फैंस का हमेशा अपना दीवाना बनाया है। सोशल मीडिया पर भी टीवी की इस हसीना के चाहने वालों की कोई कमी नहीं है। वह जो पोस्ट भी शेयर करती हैं वो देखते ही देखते वायरल हो जाता है। हाल ही में अनीता हसनंदानी ने एक ऐसा क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जिसे देखकर उनके फैंस की चिंता काफी बढ़ गई है। एक्ट्रेस ने कुछ ऐसा लिखा है, जिससे फैंस ये सोचने पर मजबूर हो गए हैं कि आखिर अचानक से उन्हें क्या हो गया है।

अनीता हसनंदानी ने इंस्टाग्राम पर ऐसा क्या लिखा है ?

कसम से फेम एक्ट्रेस अनीता हसनंदानी ने बीते दिन अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा था, सॉरी गाइज...विदा ले रही हूं। काफी समय से आवाज बहुत तेज थी, लेकिन अब खुद को दोबारा सुनने का समय आ गया है। सिर्फ यही नहीं, अनीता हसनंदानी ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर भी एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि वह किसी चीज से बहुत ज्यादा इरिटेट हो रही हैं।

इंस्टाग्राम स्टोरी के साथ कैप्शन में उन्होंने लिखा, आप की अपनी। अनीता हसनंदानी के इस पोस्ट को देखने के बाद कुछ फैंस को ये लग रहा है कि वह अपना सोशल मीडिया अकाउंट डिएक्टिवेट करने की बात कर रही हैं। वहीं कुछ को ऐसा लग रहा है कि उनकी फेवरेट एक्ट्रेस किसी बात से परेशान है।

यूजर्स ने चिंतित होकर एक्ट्रेस को दी ये सलाह

अनीता के इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, प्लीज आप सुरक्षित रहिएगा और अपना ध्यान रखना..आपको ढेर सारा प्यार। दूसरे यूजर ने लिखा, ये तो बड़ा ही डराने वाला पोस्ट था, प्लीज एक्सप्लेन करते हुए पोस्ट शेयर करें, क्योंकि आजकल किसी का कुछ समझ नहीं आ रहा है।

एक और अन्य यूजर ने लिखा, आपका ये डिसीजन अच्छा है, क्योंकि जब आप सोशल मीडिया से दूर होगे, तभी अपनी लाइफ को लॉग इन कर पाओगे...टेक केयर, खुद का ध्यान रखना। हालांकि, इन्हीं में कुछ यूजर्स का ये भी कहना है कि ये महज उनके अपकमिंग रियलिटी शो गोरियां चली गांव के लिए एक पब्लिकली स्टंट है।

अपूर्वा मुखीजा

की कुल संपत्ति 41 करोड़ रुपये है? वायरल दावे पर Rebel Girl ने तोड़ी चुप्पी

अपूर्वा मुखीजा उर्फ द रिबेल किड हाल ही में इंटरनेट पर अपनी कथित कमाई के बारे में रिपोर्ट आने के बाद सुर्खियों में आई थीं। बिजनेस टुडे ने बताया कि वह हर दिन 2.5 लाख रुपये कमाती हैं और उन्होंने 41 करोड़ रुपये का साम्राज्य खड़ा किया है। इस बीच, एक आईआईटी के पूर्व छात्र का एक पोस्ट वायरल हो गया। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर @digitalsangghi हैंडल से जाने वाले यूजर ने एक नोट शेयर किया, जिसमें शैक्षणिक उपलब्धियों की तुलना में कंटेंट क्रिएशन को समाज द्वारा दिए जाने वाले महत्व पर प्रकाश डाला गया।

स पोस्ट ने योग्यता और सफलता की बदलती परिभाषा के बारे में बहस छेड़ दी। अब, अपूर्वा मुखीजा ने आखिरकार वायरल दावे के बारे में अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बताए गए आंकड़े गलत हैं।

अपूर्वा मुखीजा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पोस्ट शेयर की जिसमें उनकी कथित कमाई का जिक्र था। पोस्ट में लिखा है, बिजनेस टुडे के अनुसार, अपूर्वा मुखीजा हर दिन 2.5 लाख रुपये कमाती हैं और अपने ऑनलाइन अवतार कलशी औरत के साथ उन्होंने 41 करोड़ रुपये का साम्राज्य खड़ा कर लिया है- इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, अपूर्वा ने बस इतना लिखा,गलत है भाई?????

इससे पहले अपूर्वा मुखीजा हाल ही में करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर्स में दिखाई दीं, जो जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

दो अलग-अलग रास्तों की तुलना करते हुए, पहला शारीरिक और मानसिक कड़ी मेहनत से जुड़ा था जबकि दूसरा सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि और बहुत कम पैसे लेकर आया, एक्स पर @digitalsangghi नाम के यूजर ने लिखा, आज मुझे 100 लोग भी नहीं जानते।

उसने याद किया कि कैसे उसने भारत की सबसे कठिन इंजीनियरिंग परीक्षा पास करके भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) कानपुर में प्रवेश पाने के लिए अपने सामाजिक संबंधों को त्याग दिया और कई व्यक्तिगत बलिदान दिए। यह पर्याप्त नहीं था, पेशेवर सफलता के लिए उसके रास्ते में छह साल का शैक्षणिक दबाव, मानसिक तनाव और नौकरी की चिंता शामिल थी।

अक्षय कुमार-कमल हासन से भिड़ने वाला अब आलिया भट्ट से टकराएगा, 2025 में होगा एक और बड़ा क्लैश

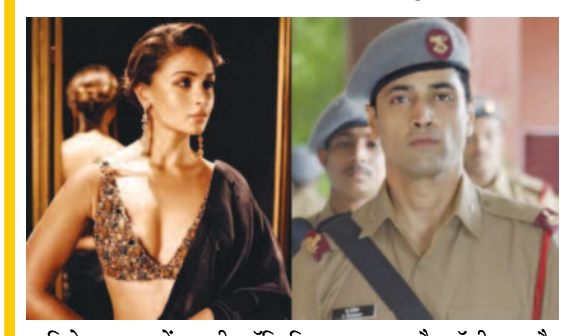

सिनेमा जगत में काफी कॉम्पिटिशन चल रहा है. बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों के बीच लगातार क्लैश देखने को मिल रहा है. साल 2025 तो जैसे क्लैश का ही साल है. अब तक 2 बड़े क्लैश सिनेमाघरों में देखने को मिल चुके हैं. वहीं हाल ही में एक क्लैश होते-होते भी रह गया है. वहीं आने वाले समय में भी ये सिलसिला थमने वाला नहीं है. दिसंबर के महीने में दो फिल्मों के बीच बड़ा क्लैश देखने को मिलेगा. इसमें पहली फिल्म है आलिया भट्ट की अल्फा. इस फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस हो चुकी है. वहीं हाल ही में अदिवी शेष की फिल्म डकैत की भी रिलीज डेट आ गई है. ये फिल्म भी 25 दिसंबर 2025 को ही रिलीज हो रही है. मतलब साफ है. 2025 के क्रिसमस पर 2 बड़ी फिल्मों का बॉक्स ऑफिस क्लैश देखने को मिलने वाला है.

रिलीज होगी आलिया भट्ट की अल्फा

पिछले 13 सालों में आलिया भट्ट ने अपनी शानदार एक्टिंग से फैंस का भरोसा जीता है और अच्छी फैन फॉलोइंग बना ली है. एक्ट्रेस साल 2025 में भी धमाका लेकर आ रही हैं. वे YRF स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा में लीड रोल प्ले करती नजर आएंगी. इस फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ भी होंगी. फिल्म को 25 दिसंबर में रिलीज के लिए रीशेड्यूल कर दिया गया है. इस फिल्म में फैंस आलिया भट्ट को फुल एक्शन मोड में देखते नजर आएंगे जो सभी के लिए एक नया एक्सपीरियंस होगा.

अदिवी शेष की डकैत से मिलेगी चुनौती

लेकिन आलिया भट्ट को इस रिलीज के दौरान ही चुनौतियों का भी सामना करना होगा. उनकी फिल्म अल्फा के साथ ही अदिवी शेष की मूवी डकैत भी सिनेमाघरों में आएगी. इस फिल्म को लेकर भी लोगों के बीच बज़ बनना शुरू हो गया है. ये फिल्म एक प्रेम कहानी होगी जिसमें अदिवी एक रोमांटिक एक्टर के रोल में नजर आएंगे. इस फिल्म में उनके अपोजिट मृणाल ठाकुर होंगी. इसे हिंदी और तेलुगू दोनों ही भाषा में एक साथ शूट किया जा रहा है.

क्या आलिया संग क्लैश को लेकर नर्वस हैं अदिवी ?

अदिवी शेष की बात करें तो उन्होंने कई बड़ी फिल्मों में काम किया है. वे अपनी फिल्म को लेकर काफी कॉन्फिडेंट नजर आ रहे हैं और उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलकर बातें की हैं. उन्होंने बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में कहा- मैं क्लैश को लेकर इतना ज्यादा भी शर्मिला नहीं हूं. मेरी डेब्यू फिल्म मेजर जब आई थी तो इस फिल्म का सामना दो फिल्मों के साथ हुआ था. कमल हासन की विक्रम और अक्षय कुमार की सम्राट पृथ्वीराज से मेरी फिल्म मेजर का क्लैश देखने को मिला था. इसलिए मेरे लिए क्लैश नया नहीं है.

करोड़ों का चूना! 6 बार साथ आए अक्षय कुमार-सैफ अली खान, 4 फिल्में रहीं फ्लॉप, फिर लगा बड़ा दाव

फिल्मी पर्दे पर जरूरी नहीं है कि सिर्फ हीरो-हीरोइन की जोड़ी के ही चर्चे हों. दो सितारों वाली फिल्मों में अक्सर एक्टर्स की जोड़ियां पूरी महफिल लूट लिया करती थीं. ऐसे ही सितारों की एक जोड़ी अक्षय कुमार और सैफ अली खान की भी थी. 90 के दशक में अक्षय-सैफ ने एक साथ कई फिल्मों में काम किया है. दोनों को बड़े पर्दे पर एक साथ काफी पसंद किया जाता था. फिल्में फ्लॉप हों या फिट लेकिन इस जोड़ी के चाहने वाले कम नहीं होते थे. अब 17 साल बाद एक बार फिर से मेकर्स इस पुरानी जोड़ी को फिर से साथ ला रही है. डायरेक्टर प्रियदर्शन ने अपनी अगली फिल्म के लिए अक्षय और सैफ को फाइनल कर लिया है.लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि सैफ-अक्षय अब तक 6 फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं और उनमें से 4 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धूल चाट चुकी हैं. यानी 6 में से अक्षय-सैफ की 4 फिल्मों का हाल बॉक्स ऑफिस पर खराब रहा था. यहां तक कि उनकी पिछली फिल्म जो उन्होंने साथ में की थी, वो भी बड़ा फ्लॉप साबित हुई थी. चलिए सैफ अली खान और अक्षय कुमार की एक साथ की गई फिल्मों का बॉक्स ऑफिस हाल जानते हैं.

ये दिल्लगी

साल 1994 में आई फिल्म 'ये दिल्लगी' में अक्षय-सैफ ने एक साथ काम किया था. इस फिल्म में दोनों ने भाईयों की भूमिका निभाई थी. फिल्म की कहानी दोनों भाईयों के इर्द-गिर्द ही घूमती नजर आई थी. वहीं फिल्म में काजोल लीड एक्ट्रेस थीं. 2 करोड़ में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 6 करोड़ कमाए थे. इसे हिट की लिस्ट में शामिल किया गया था.

तू चोर मैं सिपाही

साल 1996 में एक बार फिर से सैफ अली खान और अक्षय कुमार फिल्म तू चोर मैं सिपाही के लिए एक साथ आए. फिल्म के नाम से ही कहानी का अंदाजा हो जाता है. इस फिल्म ने दुनिया भर में 8.89 करोड़ रुपये की कमाई की थी और भारत में इसने 6.20 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था. अक्षय-सैफ की ये फिल्म फ्लॉर थी.

मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी

साल 1994 में अक्षय कुमार और सैफ अली खान की एक और फिल्म मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी रिलीज हुई थी. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी. इस फिल्म में शिल्पा शेट्टी और रागेश्वरी भी लीड रोल में थीं. ये उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में शामिल थी. 3.2 करोड़ में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 13.84 करोड़ रुपये की कमाई की थी.

बिरसा टाइम्स देश का सर्वाधिक प्रसारित रविवारीय अखबार है। अपनी खोजपूर्ण तथा विश्लेषणात्मक खबरों के कारण बिरसा टाइम्स ने मीडिया– जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई हैं। वर्ष 1980 से शुरू हुआ बिरसा टाइम्स का सफरनामा इसके पाठकों के निरंतर स्नेह और समर्थन के चलते आज भी उसी तेवर के साथ जारी हैं।

रॉंची और दिल्ली के साथ–साथ अब बिहार, छत्तीसगढ़ तथा उड़ीसा से प्रकाशित होने जा रहा है।

बिरसा टाइम्स

देश का सर्वाधिक प्रसारित नंबर-1 रविवारीय अखबार

जन सम्पर्क विभाग में विशाल भ्रष्टाचार का वट वृक्ष

“ जब झारखंड और बिहार एक साथ था तब पांडे अपने पिता के साथ पटना में महवीर मंदिर में साफ–साफाई का काम करता था और पांडे जी के पिता मंदिर के सचिव आईपीएस स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल जी के घर पर पूजा पाठ करते थे एवं महवीर मंदिर में भी काम करते थे और उसी समय अवधेश पांडे बिहार सरकार में दैनिक मजदूर में बहाली लेकर धीरे–धीरे आई इ एस पदाधिकारी के घर पर कप–प्लेट साफ कर प्रभारी निदेशक तक पहुंच गए ! श्री पांडे को हिंदी और अंग्रेजी में एक लाइन भी लिखने नहीं आता था ! इनका सारा का सारा फाइल का काम के नीचे वाले अधिकारी लिखते थे और इस काम में उप निदेशक श्री शालिनी वर्मा और वर्तमान में बोकारो के उपायुक्त श्रीअजय नाथ झा सारा फाइल का काम करते थे ! दोनों के दोनों से पांडे के कार्यालय से लेकर आवास तक 11:00 बजे रात तक गुरु मंत्र लेते रहते थे और इसमें अपनी कुशलता से श्री झा ने उपायुक्त पद पर पहुंच गए ! ऐसे पांडे कभी भी अपनी पत्नी को अपने आवास में नहीं रखते थे और पांडे के समय में सिर्फ सिर्फ उसके पिता ही रहते थे और श्री पांडे के समय में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का पेड़–पौधा लगना ! शुरू हुआ और अब वर्तमान में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा बरगद का पेड़ ले चुका है।

बिरसा टाइम्स देश का विश्वास पत्रकारिता के उन मूल्यों में हैं जो आम आदमी की चिंताओं और सरोकारों को आवाज देते हैं। इसीलिए बिरसा टाइम्स लोगो के बीच इस लम्बी यात्रा में भी अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखने में कामयाब रहा है। अपने खास कंटेंट, गंभीर राजनैतिक विश्लेषण, अलग अंदाज और सुन्दर छपाई के चलते बिरसा टाइम्स को सम्मान–जनक स्थान मिला हैं। शायद इसीलिए बिरसा टाइम्स के पाठक वे युवा और संवेदनशील लोग हैं जो न केवल देश के बारे में सोचते हैं बल्कि देश के लिए कुछ करने का जज्बा भी रखते हैं।

सत्य और निष्पक्ष समाचारों के लिए पढ़ें !

सम्पर्क सूत्र :–

aadivasiexpress@gmail.com
birsatimes@gmail.com

8084674042

6202611859
8084674042